नारीलोक

मई 2026 अंक 334

अध्यक्षीय कार्यालय
SUMAN NAHATA
G-67, Kirti Nagar, New Delhi, 110015
Mob no: 9818854120
Email: sumannahata67@gmail.com

अध्यक्षीय टंकार

मेरी प्यारी बहनों!
सस्नेह जय जिनेन्द्र!

आज का युग परिवर्तन का युग है। नारी का कर्तृत्व आकाश की बुलंदियों को छू रहा है। वह घर की चौखट से निकलकर शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, व्यापार, साहित्य और अध्यात्म- हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है। आत्मनिर्भरता की यह यात्रा न केवल उसकी क्षमता का प्रमाण है, बल्कि समाज की चेतना में आए सकारात्मक बदलाव का भी संकेत है। किन्तु इस प्रगति के साथ एक प्रश्न भी हमारे सामने खड़ा है कि क्या हम इस विकास के साथ अपने पारिवारिक और वैवाहिक जीवन को भी उतना ही सुदृढ़ बना पा रहे हैं? आज की नारी कैरियर और परिवार के बीच संतुलन बनाने की चुनौती से गुजर रही है। कभी-कभी सफलता की दौड़ में वह अनजाने में अपने रिश्तों की कोमलता से दूर होने लगती है। जबकि भारतीय संस्कृति में विवाह केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं, बल्कि 'पाणिग्रहण' - आजीवन साथ निभाने का पवित्र संकल्प है। थोड़ी-सी असहमति, अहं का टकराव या संवादहीनता यदि रिश्तों को तोड़ने लगे, तो यह हमारे संस्कारों और धैर्य की परीक्षा है। गणाधिपति आचार्य श्री तुलसी कहा करते थे- "स्थान बदलने से पहले स्वभाव बदलने की सोचो।" यह वाक्य आज के दाम्पत्य जीवन की एक महत्वपूर्ण कुंजी है। पति-पत्नी का रिश्ता प्रेम, विश्वास, संवाद और समझदारी पर टिका होता है। यदि हम एक-दूसरे की भावनाओं को समझें, समय दें और सच्चे मन से सराहना करें, तो जीवन का हर संघर्ष सहज हो सकता है। प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम जेम्स ने कहा है कि 'हर व्यक्ति की गहरी इच्छा होती है कि उसे सराहा जाए।' यदि हम अपने जीवनसाथी की सच्ची प्रशंसा करें, तो यह रिश्तों को मजबूत बनाने का एक सरल और प्रभावी उपाय बन सकता है। इसी संदर्भ में आचार्य महाप्रज्ञ जी का यह संदेश अत्यंत प्रेरणादायक है- "भाग्य को कोसने के बजाय उसके निर्माण में लगो।" यदि हम अपने जीवन और रिश्तों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं, तो हर समस्या का समाधान संभव है। बहनों! हमें उन अवसरों का सदुपयोग करना चाहिए, जो हमें अपने रिश्तों को सुदृढ़ करने और परिवार के साथ जुड़ने का समय प्रदान करते हैं। गर्मी की छुट्टियाँ हमारे लिए एक अनमोल अवसर हैं। यह समय केवल विश्राम का नहीं, बल्कि आत्ममंथन और अपने रिश्तों को सुदृढ़ बनाने का भी है। अतः आप सभी बहनों से मेरा विनम्र आग्रह है कि इन छुट्टियों को सार्थक बनाने के लिए कुछ सार्थक प्रयास जरूर करें, जैसे कि-

- परिवार के साथ आत्मीय समय बिताएँ। केवल साथ बैठना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि मन से जुड़ना आवश्यक है।
- दाम्पत्य जीवन में संवाद को प्राथमिकता दें। मन में संचित शिकायतों को समय रहते सुलझाएं।
- स्वयं के व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान दें- अध्ययन, साधना और आत्मचिंतन के माध्यम से।

हमें यह समझना होगा कि कैरियर बनाना जितना आवश्यक है, घर बनाना उससे कम महत्वपूर्ण नहीं है। एक सफल महिला वही है, जो अपनी प्रतिभा को विकसित करते हुए अपने परिवार को भी प्रेम और संस्कारों से सींचे। क्योंकि अंततः सुख का वास्तविक आधार हमारे रिश्ते ही होते हैं। आइए, इस गर्मी की छुट्टियों को हम एक 'संकल्प पर्व' बनाएं- अपने रिश्तों को मजबूत करने का, अपने व्यक्तित्व को निखारने का, और अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का।

मेरी प्यारी बहनों! परमपूज्य ज्योतिचरण आचार्य श्री महाश्रमण जी के नेतृत्व में तेरापंथ समाज में नारी सृजन एवं कर्तृत्व के नए-नए आयाम विकसित हो रहे हैं, जिससे हमारा नारी समाज आत्मविश्वास से परिपूर्ण हुआ है। आज आवश्यकता है कि हम इस आत्मविश्वास को केवल व्यक्तिगत प्रगति तक सीमित न रखें, बल्कि परिवार सुदृढ़ीकरण, संस्कार संवर्धन और सामाजिक जागरण के कार्यों से भी जोड़ें।

बहनों! हमें बड़ा सोचने और बड़ा करने का साहस विकसित करना होगा। महान दार्शनिक डिजरायली का कथन है कि "जीवन इतना छोटा है कि उसे संकीर्ण सोच में बाँधकर जीना उचित नहीं।" एक कहावत भी है- "आप चीलों के साथ नहीं उड़ सकते, जब तक आप मुर्गियों के साथ घूम रहे हैं।" अर्थात, जब तक हम अपनी सोच और संगति को ऊँचा नहीं करते, तब तक ऊँची उड़ान संभव नहीं। बिना साहसिक कदम उठाए बड़ी उपलब्धियाँ नहीं मिलतीं। जब तक हम ऊँचा दांव खेलने का साहस नहीं जुटाते, तब तक भव्य और सफल जीवन की कल्पना भी अधूरी ही रह जाती है।

अंत में, सभी शाखा मंडलों की बहनें अपने-अपने क्षेत्र में नारी जागरण, परिवार सुदृढ़ीकरण और संस्कार संवर्धन की अलख जगाएँ। यही हमारी सच्ची साधना, यही हमारी सफलता और यही गुरुदेव तुलसी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मंगल भावनाओं के साथ- शुभ भविष्य आपका इंतजार कर रहा है।

स्नेहाकांक्षी
सुमन नाहटा

उषा

भिक्षुगाथा

महान आत्मबल के धनी - आचार्य श्री भिक्षु

आचार्य रघुनाथ जी से पृथक होने के पश्चात स्वामीजी को कुछ समय तक अत्यंत विरोध का सामना करना पड़ा था। स्वामीजी के पास उस समय हर प्रकार की सामग्री का प्रायः अभाव ही था। जहां जाते वहां अधिकांश लोग उनके विरोधी होते और यदि कोई सहायक भी होता तो सामाजिक बहिष्कार के भय से खुलकर सामने नहीं आता। स्वयं सहित आठ साधुओं (5 साधु मतभिन्नता के कारण पृथक) का छोटा सा संघ और अंगुली-गणनीय श्रावक वर्ग, बस इस अल्प सामग्री के आधार पर उन्होंने शुद्ध धर्म स्थापना का अपना कार्य प्रारम्भ किया। उस समय यदि कोई उनका प्रबल सहायक था, तो वह एकमात्र आत्मबल ही था। उसी के आधार पर उन्होंने ऐसा कार्य किया और दिखाया जैसा सभी प्रकार की साधन सम्पन्नता में भी हो पाना संभव नहीं होता। चारों ओर से घुमड़ कर आती हुई विषम परिस्थितियों में भी उन्होंने कभी अपना धैर्य नहीं खोया और धीरे-धीरे उन सभी पर विजय प्राप्त कर ली, यह उनके व्यक्तित्व की विरल-प्राप्य विशेषता थी।

जिस प्रकार भगवान राम को भी जब लंका जैसी दुर्जेय नगरी को जीतना था, समुद्र के अगाध जल को लांघना था, रावण जैसे बलिष्ठ शत्रु से भिड़ना था और रण भूमि में सहायक थे मात्र बंदर, फिर भी अकेले राम ने समग्र राक्षस-वंश को पराजित कर दिया। क्योंकि कार्यसिद्धि महापुरुषों के आत्मबल पर जितनी आधारित होती है, उतनी बाह्य उपकरणों पर नहीं। उसी प्रकार स्वामीजी की विजय का मूल भी उन्हें प्राप्त साधारण साधन सामग्री में नहीं, किंतु उनके अपार आत्मबल में निहित था। अन्यथा इतने बड़े सुनियोजित विरोध के सम्मुख अकेले व्यक्ति का टिक पाना और फिर उसमें विजय प्राप्त करना असंभव ही होता। एकमात्र स्वामीजी के आत्मबल ने ही असंभव को भी संभव कर दिखाया। उसी के बल पर वे सभी समस्याओं के सम्मुख अडिग धैर्य के साथ डटे ही नहीं रहे, अपितु उन सभी को परास्त भी किया।

गुरु वाणी

तीन उत्तम पुरुष

ठाणं में बताया गया है उत्तम पुरुष तीन प्रकार के होते है-

1. धर्मपुरुष-अर्हत्, 2. भोगपुरुष-चक्रवर्ती, 3. कर्मपुरुष-वासुदेव।

धर्म के क्षेत्र में जो उत्तम है, वह धर्मपुरुष है। भोग के क्षेत्र में जो उत्तम है, वह भोगपुरुष है और कर्म के क्षेत्र में जो उत्तम है, वह कर्मपुरुष होता है।

उत्तम पुरुष का पहला प्रकार है- धर्मपुरुष। धर्म के क्षेत्र में उत्तम होते हैं अर्हत्। आध्यात्मिक जगत में तीर्थंकर से उत्तम कोई अन्य व्यक्ति नहीं होता, क्योंकि वे केवलज्ञान प्राप्ति के साथ-साथ धर्म के क्षेत्र में तीर्थ की स्थापना भी करते हैं। जबकि सामान्य केवली तीर्थ की स्थापना नहीं करते। एक समय और एक क्षेत्र में केवली तो अनेक हो सकते हैं, परन्तु तीर्थंकर उनमें से एक ही होते हैं। उत्तम पुरुष का दूसरा प्रकार है- भोगपुरुष। भोग के क्षेत्र में उत्तम होते हैं चक्रवर्ती। संसार में सबसे अधिक शक्तिसंपन्न और सत्ताधारी यदि कोई व्यक्ति है तो वह है छह खंडों का अधिपति चक्रवर्ती। उत्तम पुरुष का तीसरा प्रकार है- कर्मपुरुष। कर्म के क्षेत्र में उत्तम होते हैं वासुदेव। तीन खंडों के अधिपति होते हैं वासुदेव।

तीर्थंकर मृत्यु के बाद निश्चित ही मोक्ष जाते हैं। चक्रवर्ती की यदि चक्रवर्ती पद में मृत्यु हो जाए तो उसकी गति नरक होती है और यदि वह चक्रवर्तित्व का त्याग कर संयम ग्रहण करे तो उसकी गति निश्चित मोक्ष होती है। जैसे सोलहवें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ, सतरहवें तीर्थंकर भगवान कुंथुनाथ और अठारहवें तीर्थंकर भगवान अरनाथ पहले चक्रवर्ती बने, फिर उसी जन्म में तीर्थंकर भी बन गए। परन्तु वासुदेव की गति नरक ही होती है। कहा भी जाता है- राजेश्वरी नरकेश्वरी अर्थात् जो वासुदेव जैसा सम्राट बनेगा, उसे नरक में जाना ही पड़ेगा।

जीवन में उत्तमता का महत्त्व होता है। व्यक्ति धार्मिक दृष्टि से उत्तमता की ओर आगे बढ़ने का प्रयास करे। एक चींटी भी चलते-चलते सैकड़ों योजन तक पहुंच सकती है और यदि गति न हो तो तीव्र गति वाला गरुड़ भी वहीं का वहीं रह जाता है। व्यक्ति को दक्षता, चातुर्य और निपुणता को पाने का प्रयास करना चाहिए। प्रयास करने से कुछ न कुछ अवश्य प्राप्त हो सकता है।

संदर्भ: 3 बातें ज्ञान की

संस्कार सरिता

शुभाशंसा!

प्रश्न है - संपन्न कौन होता है? क्या धन से संपन्न व्यक्ति संपन्न होता है या संस्कार से संपन्न व्यक्ति संपन्न होता है?

वस्तुतः संपन्न व्यक्ति वह होता है, जो संस्कारों से संपन्न होता है। चिंतनीय बिंदु यह है कि संस्कारी व्यक्तित्व का निर्माण कैसे हो? रूस में तीन वर्ष से और चीन में एक वर्ष से ही संस्कारों की शिक्षा प्रारंभ हो जाती है। हिंदुस्तान में गर्भावस्था से ही संस्कार-निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर देते हैं।

संस्कार-निर्माण की प्रथम पाठशाला है माँ। एक संस्कारी माँ बच्चों के प्रभावशाली व्यक्तित्व का निर्माण कर सकती है। इसके अतिरिक्त पारिवारिक-सामाजिक वातावरण, शिक्षण संस्थान, मीडिया एवं संगति आदि महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। बचपन से ही महाप्राण ध्वनि एवं दीर्घश्वास प्रेक्षा आदि प्रयोग के माध्यम से बच्चों के brain का positive development किया जा सकता है, जिससे बच्चों के Emotional Intelligence का विकास हो सके। फलतः परिवार एवं समाज में शांति का वातावरण निर्मित हो सके।

जैन विश्व भारती, लाडनूं

साध्वी प्रमुखा विश्रुतविभा

अभ्यर्थना के स्वर

अभ्यर्थना के स्वरवंदन, विनय और समर्पण की भावांजलि

जो ज्ञेय है, आदेय है, जो प्राण है, जो त्राण है,
जो साधना के क्षेत्र की सबसे बड़ी पहचान है।
जो सुख प्रदाता, सुमति दाता, पाप-भक्तों के हरे,
जो प्रिय लगे सबको सदा, कल्याण जो सबका करे।
जो शांत, नीति निपुण, परम वैशिष्ट्य से परिपूर्ण है,
ऐसे हमारे गुरु सत्य की शक्ति से सम्पूर्ण है।
जिनके प्रखर वक्तव्य में वैराग्य ही की बात है,
स्थित प्रज्ञता, समता जहाँ पर दिखती साक्षात है।
ध्रुव योग छाया की तरह, चलता सतत अविराम है,
संघ के सरताज को, सविनय सदा प्रणाम है।
हे युगपुरुष! हे देवधर! वंदन सहस्त्र अभिवंदना,
हे प्रभास्वर! हे युग प्रधान! शुभकामना, अभिवंदना।

कनक बरमेचा
(चीफ ट्रस्टी)

श्रद्धा के शिखर, अहिंसा के दूत, मानवता के मसीहा युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के श्रीचरणों में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का सादर अभिवंदना!

अप्रैल का यह त्रिवेणी संगम-आराध्य देव का जन्म दिवस दीक्षा दिवस और पदाभिषेक दिवस संपूर्ण तेरापंथ धर्मसंघ और संपूर्ण मानवता के लिए परम सौभाग्य का उत्सव है। इस पावन अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल अपनी अंतरात्मा की गहराइयों से श्रद्धासिक्त मंगल कामनाएं प्रेषित करता है।

महाप्रज्ञ के उत्तराधिकारी, करुणा के सागरआचार्य प्रवर! आपका व्यक्तित्व उस धवल हिमालय के समान है जिसकी शीतलता हर प्यासी आत्मा को शांति प्रदान करती है। आपका जन्म मात्र एक घटना नहीं, बल्कि एक दिव्य प्रकाश का अवतरण था। आपकी दीक्षा संयम की उस अग्नि की गवाह है जिसने स्व-कल्याण के साथ पर-कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। और आपका पदाभिषेक इस महान शासन की बागडोर एक ऐसे कुशल सारथी को सौंपना था, जिसकी दृष्टि में 'अहिंसा यात्रा' के माध्यम से नशामुक्त और नैतिकता युक्त विश्व का निर्माण सर्वोपरि है।

महिला मंडल का संकल्प आपके मार्गदर्शन में आज तेरापंथ की नारी शक्ति, अध्यात्म और संस्कार निर्माण के पथ पर निरंतर अग्रसर है। आप हमारे लिए प्रेरणा के अखंड पुंज हैं। आपके द्वारा प्रदत्त "सद्भावना, नैतिकता और नशामुक्ति" का संदेश घर-घर पहुँचाना ही हमारा वास्तविक श्रद्धा-सुमन है। अखिल भारतीय महिला मंडल की समस्त बहनें मिलकर शासन देव से यह करबद्ध प्रार्थना करती हैं कि:

* आपका स्वास्थ्य सदैव अनुकूल बना रहे।
* आपका दीर्घायुष्य शासन की प्रभावना में मील का पत्थर साबित हो।
* आपके चरणों की रज से यह धरा अहिंसामय बनती रहे।

गुरुदेव! आपकी मुस्कान ही हमारी शक्ति है और आपका अनुशासन ही हमारा पथ-प्रदर्शक। हम संकल्पित हैं कि आपकी आज्ञा और मर्यादाओं को शिरोधार्य करते हुए शासन की सेवा में स्वयं को समर्पित रखेंगी। जय-जय ज्योतिचरण! जय-जय महाश्रमण!

विनीत: सुमन नाहटा
अध्यक्ष एवं समस्त कार्यसमिति,
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

दीक्षा दिवस पट्टोत्सव के पावन अवसर पर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल परम पूज्य आचार्य महाश्रमण जी के पावन दीक्षा दिवस पट्टोत्सव पर कोटिशः वंदन, अभिनंदन एवं भावभीनी श्रद्धा अर्पित करती है।

यह दिवस केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि तप, त्याग, संयम और साधना की उस दिव्य यात्रा का स्मरण है, जिसने एक बाल "मोहन" को मुनि मुदित और आगे चलकर युगप्रधान आचार्य "महाश्रमण" के रूप में प्रतिष्ठित किया।

गुरुदेव का संपूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है-जहाँ विनय, अनुशासन, करुणा और ज्ञान का अद्भुत समन्वय दृष्टिगत होता है।

महिला मंडल, जो सदैव संस्कार, सेवा और साधना के त्रिवेणी संगम को अपने कार्यों में आत्मसात करने का प्रयास करती है, गुरुवर के मार्गदर्शन में निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। आपके "नव सोच, नव कृतित्व" के संदेश ने महिलाओं को आत्मविश्वास, जागरूकता और आध्यात्मिक उन्नयन की नई दिशा प्रदान की है। आपके सान्निध्य में नारी शक्ति को केवल प्रेरणा ही नहीं, बल्कि अपने कर्तृत्व को साकार करने का सशक्त मंच भी प्राप्त हुआ है।आपकी समता, सहिष्णुता और संगठन कौशल ने तेरापंथ धर्मसंघ को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। साधु-साध्वी वृंद के प्रति आपकी करुणामयी दृष्टि और "शासन माता" के प्रति प्रदत्त सम्मान, आपके व्यक्तित्व की गरिमा को और अधिक उज्ज्वल बनाते हैं। आपके श्रीमुख से प्रवाहित होने वाला ज्ञान, हम सभी के जीवन को आलोकित करता है और आत्मोन्नति की ओर प्रेरित करता है।

इस पावन अवसर पर महिला मंडल संकल्पित है कि हम गुरुवर के मार्गदर्शन में-संस्कारों के संवर्धन, नारी सशक्तिकरण, एवं समाज सेवा के विविध आयामों में निरंतर सक्रिय रहेंगे। हमारा प्रत्येक प्रयास गुरुवर के इंगित में धर्मसंघ की गरिमा को और अधिक ऊँचा उठाने की दिशा में समर्पित रहेगा।

हम सभी बहनों की ओर से परम पूज्य गुरुदेव के श्रीचरणों में शत-शत वंदन करते हुए मंगलकामना करते हैं कि आप निरामय रहें, दीर्घायु हों और उनके सान्निध्य में धर्मसंघ सतत उन्नति के स्वर्णिम शिखरों को स्पर्श करता रहे।

रचना हिरण
महामंत्री (ABTMM)

अभ्यर्थना के स्वर

वैराग्य-दीप्ति का दिव्य आलोक
श्रद्धा-समर्पण का निर्मल संयोग।

तेरापंथ की राजधानी चंदेरी एक रत्ना गर्भा, पवित्र एवं पावन धरा है। गणाधिपति गुरुदेव तुलसी सहित तीन तीन साध्वी प्रमुखाएं, इस धरा ने धर्मसंघ को सौंपी हैं। आपका चयन पूरे धर्मसंघ के लिए आचार्य महाश्रमण जी द्वारा प्रदत्त अनमोल उपहार है। आचार्य श्री तुलसी द्वारा दीक्षित, आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा शिक्षित, आचार्य श्री महाश्रमण द्वारा चयनित नवम साध्वी प्रमुखा श्री जी की 9 विशेषताओं को वंदना करती हुई आपके श्री चरणों में आधी दुनिया की मंगलकामना समर्पित करते हैं।

साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा जी के नाम में छिपी हैं 9 विशेषताएँ-आप विशिष्ट प्रथम समणी नियोजिका, विदेश की धरती पर तेरापंथ की विशिष्ट प्रचारिका, विशिष्ट ध्यान साधिका, विशिष्ट लेखिका, विशिष्ट संपादिका, विशिष्ट श्रुत साधिका, श्रेयस की उपासिका, गुरु दृष्टि समर्पिता एवं श्रेष्ठ आत्माराधिका हैं।
आपको चयन दिवस पर वंदना, अभिवंदना, अभिवंदना।

कनक बरमेचा
(चीफ ट्रस्टी)

विनीत अभिवंदना

श्रद्धा के पावन पुष्प, समर्पण की सुगंध

आज का दिन तेरापंथ धर्मसंघ के इतिहास में उस स्वर्णिम क्षण की स्मृति है, जब शासन अनुशास्ता ने साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुत विभा जी के रूप में संघ को एक ऐसी ओजस्वी चेतना सौंपी, जो ज्ञान, संयम और वात्सल्य का त्रिवेणी संगम है।

करिश्माई व्यक्तित्व: सौम्यता और शक्ति का मेल

आपका व्यक्तित्व उस शीतल चंद्रमा के समान है, जो अपनी चांदनी से समूचे नारी जगत कोआलोकित कर रहा है। आपकी मंद मुस्कान में जहाँ करुणा का सागर झलकता है, वहीं आपकी अनुशासनप्रियता शासन की मर्यादाओं को अक्षुण्ण बनाए रखती है। आपने साध्वी समाज को केवल नेतृत्व ही नहीं दिया, बल्कि अपनी विनम्रता से हर साध्वी और श्राविका के हृदय में एक आदर्श प्रतिमान स्थापित किया है।

ऊर्जस्वल चिंतन: आधुनिकता और आध्यात्मिकता का समन्वय

आपका चिंतन केवल पारंपरिक सीमाओं तक सीमित नहीं है। आप एक दूरद्रष्टा प्रज्ञापुंज हैं। महिला सशक्तिकरण, आध्यात्मिक जागरण और संघ की सेवा के प्रति आपका दृष्टिकोण अत्यंत आधुनिक होते हुए भी आगमों की मर्यादा से ओत-प्रोत है। आपकी वाणी में वह सम्मोहन है, जो सोई हुई चेतना को जगाने का सामर्थ्य रखता है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल आपके चरणों में कोटि-कोटि वंदना करता है। हम संकल्पित हैं कि आपके बताए मार्ग पर चलकर संघ सेवा और नारी उत्थान के कार्यों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

संयम की पावन धरती पर, जो ममता का आकाश बनीं,
ज्ञान की प्रखर रश्मि से, जो हर मन का विश्वास बनीं।
मनोनयन के इस मंगल दिन पर, हम विनत शीश झुकाते हैं,
भक्ति के सुमन सजाकर, अभिवंदना के गीत गाते हैं।
अक्षुण्ण रहे यह तप-ज्योति, आशीष आपका बना रहे,
साध्वी प्रमुखा के चरणों में, यह जीवन श्रद्धा-नत रहे।

विनीत: सुमन नाहटा
अध्यक्षा एवं समस्त कार्यसमिति,
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

प्रमुखा श्री साध्वी विश्रुत विभा जी।

निःशब्द तपः-साधना के अंतराल में, जब चेतना का क्षितिज आलोकित होता है, तब व्यक्तित्व नहीं, एक दिव्य धारा अवतरित होती है-जो स्वयं पथ बनकर, जग को पथिक बना देती है।

वैराग्य-विभा से मंडित आपका यह उदात्त स्वरूप, मानो समाधि की गहराइयों से उपजा हुआ प्रकाश हो, जहाँ त्याग, तप और तितिक्षा की सूक्ष्म तरंगें, जीवन के प्रत्येक स्पंदन को पावन कर जाती हैं। आपका अस्तित्व-न केवल एक पद, न केवल एक प्रतिष्ठा, अपितु आत्मजागरण की अखंड चेतना है, जो निरंतर अंतराकाश में निनादित हो रही है।

हम कहाँ समर्थ उस दुर्गम पथ के, जहाँ विरक्ति ही श्वास है, और संयम ही जीवन! हम तो गृहस्थ सीमाओं में बंधे साधक, मात्र एक झिलमिलाते संकल्प के पथिक हैं। किन्तु-आपकी करुणा-दीप्त दृष्टि के आलोक में, हम अपने जीवन को दिशा दे सकते हैं, आपके मार्गदर्शन के अमृत-सिक्त स्पर्श से, नारी-शक्ति को नव सृजन में परिणत कर सकते हैं। महिला मंडल की प्रत्येक चेतना में, यदि आपके चिंतन का एक अंश भी जागृत हो, तो संस्कारों की सुप्त धाराएँ पुनः प्रवाहित हों, और परिवार, समाज-सब सुगंधित हो उठें।

आपकी वाणी-मौन में भी अनुगूँजित होती दिव्य ध्वनि है, आपकी दृष्टि-करुणा का वह विस्तृत आकाश है, जिसमें हर व्यथित मन को आश्रय मिलता है।

श्रद्धेया महासतीवरम! आपका ये चयन दिवस नहीं-धर्म की धरा पर अवतरित एक नव प्रभात है, यह नारी जागरण की अनाहत वीणा का दिव्य, कालातीत आलापन है। आइए-हम अपने अंतःकरण में श्रद्धा का दीप प्रज्वलित करें, आपके निर्देशन की पावन छाया में, सेवा, संस्कार और समर्पण को साधना बना लें।

श्रद्धेया महासतीवरम! आपके चरणों में यह विनम्र अभ्यर्थना-कि हम आपके पथ के अनुयायी भले न बन सकें, पर आपके मार्गदर्शन के साधक अवश्य बनें। आपकी दिव्य छत्रछाया में, हमारी प्रत्येक श्वास-सेवा बने, प्रत्येक कर्म-साधना बने, और सम्पूर्ण जीवन-एक निःशब्द वंदना बने।

रचना हिरण
महामंत्री (ABTMM)

प्रेरक प्रसंग

♦ निस्वार्थ सहारा ♦

एक बार की बात है, पेंसिल ने इरेज़र से "थैंक यू" कहा। पेंसिल की बात सुनकर इरेज़र थोड़ा सा असहज हो गया और उसने मुस्कुराते हुए पूछा—"हमारी इतनी गहरी और प्यारी दोस्ती है, तो तुम मुझे थैंक यू किस बात के लिए कह रहे हो? क्या तुम्हें पता नहीं कि दोस्ती में 'नो सॉरी, नो थैंक यू'?

"पेंसिल ने भावुक होते हुए उत्तर दिया- "आज मुझे महसूस हुआ कि मैं कई बार बहुत गलत लिख देती हूँ, मुझसे बार-बार गलतियाँ हो जाती हैं। और तुम हो कि हर बार मेरी उन गलतियों को मिटाकर, उसी स्थान पर सही शब्द लिखने के लिए जगह बना देते हो। मेरी गलतियों को मिटाते-मिटाते देखो तो सही, तुम्हारी क्या हालत हो गई है! जब तुम नए थे तो कितने सुंदर दिखते थे, और आज यहाँ-वहाँ चारों तरफ से घिस गए हो। तुम्हारी सूरत ही बदल गई। और एक दिन ऐसा भी आयेगा कि तुम मेरे साथ भी न रहो।"

ठीक इसी प्रकार हमारी ज़िन्दगी में भी इरेज़र की तरह कोई होता है, जो हमारी गलतियों को सुधारकर हमें कुछ नया करने की राह दिखाते हैं, हमें आगे बढ़ने का अवसर देते हैं और वे हैं हमारे माता-पिता।

वे हमारी गलतियों पर रोक-टोक करके, समझाकर और मार्गदर्शन देकर हमें सही दिशा में आगे बढ़ना सिखाते हैं। इरेज़र की तरह वे भी जीवनभर हमारे साथ नहीं रहने वाले, इसलिए यह समय है कि हम उनके प्रति कृतज्ञ रहें और अपने मन की भावनाएँ उन्हें अवश्य व्यक्त करें।

क्योंकि आज जो इरेज़र के रूप में हमारे माता-पिता हमारे लिए कर रहे हैं, वह हमारे लिए कोई और कभी नहीं कर सकता। माता-पिता से बढ़कर प्रेरणादायी गुरु, उनसे श्रेष्ठ मार्गदर्शक और उनके जैसा निस्वार्थ सहायक कोई हो ही नहीं सकता।

युग की माँग और समय की परिवर्तन के साथ शांत भाव से वे हमारी सफलता के हर अध्याय में गुप्त सहायक बनते हैं और असफलता के क्षणों में हमारे साथ एक मजबूत सहारा बनकर दृढ़ता से खड़े रहते हैं। इस भागती-दौड़ती कृत्रिम दुनिया में यदि कुछ वास्तव में सच्चा और वास्तविक है, तो वह है- माता-पिता का प्यार और उनका स्नेह।

बोध: माता-पिता, गुरु सेवा तुल्य, नहीं कोई दूजा काम। ज्ञान मिले, निर्जर होवे, तर जाते भव स्यूं नाव।।

♦ श्रद्धाशील श्राविका: कलकत्ती देवी बैद ♦

श्रीमती कलकत्ती देवी बैद, श्रीमान ताराचंद जी (चूरू निवासी) की धर्मपत्नी थीं। ससुराल पक्ष तथा मातृपक्ष दोनों ओर से उन्हें धर्म के गहरे संस्कार बचपन से प्राप्त हुए थे। उनकी पहली संतान के जन्म के समय उन्हें पिप्पलामूल नामक औषधि दी गई, परंतु वे पूरा पथ्य-परहेज़ नहीं रख पाईं और मिरगी जैसे भयंकर रोग से ग्रसित हो गईं। उस समय वे छः दिन-रात तक बेहोश रहीं। जब उन्हें मिरगी के दौरे पड़ते, तो पूरे शरीर में ऐंठन आ जाती, जीभ बाहर निकल आती या दाँतों के बीच कट जाती, गर्दन मुड़ जाती और वे जहाँ कहीं जिस स्थिति में होतीं, वहीं गिर पड़तीं। इस रोग का उनके मस्तिष्क पर गंभीर प्रभाव पड़ा, जिससे उनकी स्मरण-शक्ति लगभग समाप्त हो गई। वे परिचित जनों के चेहरे तक नहीं पहचान पाती थीं। आर्थिक दृष्टि से उनका परिवार सक्षम था, इसलिए उपचार की कोई कमी नहीं रखी गई। दस वर्षों तक उन्हें अनेक प्रकार की आयुर्वेदिक, एलोपैथिक और होम्योपैथिक दवाएं दी गईं, परंतु मिरगी का रोग उत्तरोत्तर बढ़ता गया, कम नहीं हुआ। इसी बीच एक अमेरिकी डॉक्टर भारत आया। जब उनसे परामर्श किया गया, तो उसने कहा—"यह रोग ठीक होना कठिन है, पर मैं अमेरिका से दवाएँ भेजता रहूँगा, संभव है थोड़ा लाभ हो जाए।" पंद्रह वर्षों तक निरंतर अमेरिकी दवा लेने पर भी बीमारी में विशेष अंतर नहीं आया।

वि.सं. 2030 में आचार्य श्री तुलसी का चातुर्मास हिसार में था। बहन कलकत्ती देवी आचार्यवर के दर्शन करने तेजपुर (आसाम) से हिसार आईं। वे जैसे ही आचार्य प्रवर के दर्शन करने पहुँचीं, वहीं उन्हें तेज दौरा आया और वे गिर पड़ीं। वे पूरी रात बेहोश रहीं। प्रातः जब वे पुनः आचार्य श्री के उपपात में पहुँची, तो गुरुदेव ने पूछा, "तुम्हें तो भयंकर रूप से दौरा आता है, कितने वर्षों से यह हो रहा है?" गुरु की वात्सल्यपूर्ण वाणी से गदगद होकर बहन ने कहा, "गुरुदेव, 20–25 वर्षों से मैं बीमार हूँ। दवा-इलाज बहुत कराया, पर ठीक नहीं हुई।"

आचार्य प्रवर ने कहा, "आज से मैं जो कहता हूँ, वह करो। प्रतिदिन जितनी देर हो सके 'ॐ शांति' मंत्र का जप करो। फिर बताना तुम्हें दौरे आते हैं या नहीं।" गुरुदेव के मुख से ऐसी अनुपम औषधि पाकर बहन को लगा मानो वे उसी क्षण स्वस्थ हो गई हों। उन्होंने उसी समय अगले छह महीनों तक दवा का त्याग कर दिया और सोते-जागते, उठते-बैठते निरंतर 'ॐ शांति' मंत्र का जप करने लगीं। सिद्ध पुरुष की वाणी का ऐसा अमोघ प्रभाव हुआ कि वे धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगी। छः महीनों तक उन्हें कभी-कभी दौरे आए, पर अंततः वे बिल्कुल स्वस्थ हो गईं।बहन का मानना था कि इससे पहले भी उन्होंने कई बार जप किए थे, पर गुरुवाणी का चमत्कार ही उनके स्वास्थ्य-लाभ का वास्तविक रहस्य था।

♦ संस्था संविधान ♦

- साधारण सभा की वार्षिक बैठक (अधिवेशन) मंडल के वित्तीय वर्ष समाप्त होने के छह माह के भीतर बुलाना आवश्यक होगा। राष्ट्रीय आपदा या अन्य आपात स्थिति में कार्यसमिति द्वारा अवधि बढ़ाई जा सकती है।
- साधारण सभा की बैठक वर्ष भर में कम से कम एक और अधिक से अधिक दो बार हो सकेगी। साधारण सभा की दो बैठकों के बीच कम से कम 6 माह का अंतराल आवश्यक होगा।

श्रावक संदेशिका

संघीय संस्थाओं का स्वरूप:

स्थानीय सभा / शाखा / समिति:

- वह किसी केंद्रीय संस्था से संबंधित अथवा उसकी शाखा होगी।
- उसका कार्यक्षेत्र उसकी निर्धारित क्षेत्र सीमा से अधिक नहीं होगा, जैसे – गांव / नगर / अंचल / महानगर / परिसीमित क्षेत्र।
- वह अपनी संबंधित केंद्रीय संस्था की अनुमति के बिना अपनी क्षेत्र सीमा से बाहर के व्यक्तियों से अनुदान नहीं ले सकेगी।
- निर्धारित क्षेत्र सीमा से बाहर के लोग उसके सदस्य नहीं बन सकेंगे।

संस्थागत आवयश्क दिशा-निर्देश:

- संस्था का गणवेश यथासंभव संघीय कार्यक्रमों एवं तेरापंथ महिला मंडल के कार्यक्रमों में ही पहनना चाहिए।
- संस्था की गतिविधियों के सम्यक संचालन हेतु विभिन्न विभागों का अपने कार्यकाल की अवधि के लिए गठन करें। गठित विभागों के संचालन के लिए विभागीय प्रभारी को अपेक्षित मार्गदर्शन देते रहें एवं गति-प्रगति की रिपोर्ट समय-समय पर लेते रहें।

◆ महिला मंडल / युवती विभाग-करणीय कार्य ◆

बहनों, इन गर्मी की छुट्टियों में हमारा संकल्प हो कि छुट्टियाँ केवल घूमने-फिरने का माध्यम नहीं, बल्कि परिवार के साथ जुड़ने का सुंदर अवसर बनें। आज के व्यस्त जीवन में कई बार हम परिवार के सदस्यों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय नहीं बिता पाते। आइए, इन छुट्टियों को एक सुंदर अवसर बनाएं- अपने परिवार के साथ जुड़ने, संवाद बढ़ाने और अपनापन मजबूत करने का। हम सब मिलकर यह छोटे-छोटे संकल्प लें:

* प्रतिदिन कम से कम एक समय का भोजन पूरा परिवार साथ मिलकर करें।
* रोज़ शाम को परिवार सहित सामूहिक अर्हत वंदना अवश्य करें।
* घर में सकारात्मक संवाद और साथ बिताए पलों को प्राथमिकता दें।

छुट्टियाँ केवल यात्रा या मनोरंजन का समय नहीं होतीं, बल्कि ये वह सुनहरा अवसर हैं जब हम अपने रिश्तों को समय, स्नेह और साथ से और अधिक मजबूत बना सकते हैं। इस अवसर का पूरा लाभ लें। साथ ही अभातेममं की ओर से तीन नए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं:

* AI Digital Learning Program - संयोजिका श्रीमती रमन पटवारी, 99035 18222
* जागृति- तत्त्वज्ञान प्रशिक्षण कोर्स - संयोजिका श्रीमती संस्कृति भंडारी, 88516 21592
* संस्कृत पाठ्यक्रम प्रशिक्षण - संयोजिका श्रीमती राजुल मनोत, 88008 75707

सभी शाखा मंडलों से विनम्र अनुरोध है कि अधिक से अधिक बहनों को इन कार्यक्रमों से जोड़कर उनके ज्ञान में वृद्धि करने और आत्मविकास की इस यात्रा का लाभ उठाने हेतु प्रेरित करें। अधिक जानकारी के लिए संबंधित संयोजिकाओं से संपर्क करें।

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना

शिखरोत्सव-"रजत जयन्ती समारोह"

19 से 21 जून को पूज्यप्रवर आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन सानिध्य, लाडनूं में आयोजित होगा, "शिखरोत्सव-रजत जयन्ती समारोह"।

ज्ञानाराधना में तन मन से लगे साधक महान,
गुरु चरणों में करेंगे आप सब का सम्मान।
रजत जयंती का अवसर पावन,
भेज रहे आपको सहृदय निमंत्रण।।

सम्मानीय परीक्षक गण एवं प्रेरणास्रोत प्रशिक्षक गण, अब तक के सभी तत्व प्रचेता (6 साल complete) तेरापंथ प्रचेता (5 साल complete) और तत्व विज्ञ (3 साल complete), जैन स्कोलरस का हार्दिक स्वागत।

आने वालों के लिए सरप्राइस भी होंगे खास,
शिखरोत्सव में हर पल होगा अंतर आनंद का एहसास।

आवश्यक सूचना:

- कार्यक्रम अवधि: 19 जून सायं से 21 जून दोपहर (लंच तक)।
- अपने ओढ़ने-बिछाने की चादर, सामायिक आसन, मुंहपत्ती एवं अपनी आवश्यक दवाइयाँ साथ लेकर आएँ।
- महिलाओं के लिए महिला मंडल गणवेश अनिवार्य है तथा पुरुषों के लिए सफेद वस्त्र अनिवार्य रहेंगे।
- सभी तत्व प्रचेता, तेरापंथ प्रचेता एवं तत्व विज्ञ से विनम्र निवेदन है कि इस पाठ्यक्रम से जुड़ने पर अपने अनुभव का 1 मिनट का वीडियो बनाकर शेयर करें। चयनित वीडियो को अभातेममं के सोशल मीडिया पेज पर प्रसारित किया जाएगा।
- 1 मई 2026 से रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ हो जाएगा। रजिस्ट्रेशन शुल्क रु. 1100 रहेगा, जो आप ABTMM के बैंक A/C में जमा करा सकते हैं।समय पर रजिस्ट्रेशन अवश्य करें, ताकि हमें आपका कन्फर्मेशन समय रहते प्राप्त हो सके।
- अब परीक्षाएँ वर्ष में केवल एक बार आयोजित की जाएँगी।
- वर्ष 2026 में तत्त्वज्ञान, तत्त्वविज्ञ एवं तेरापंथ दर्शन की परीक्षाएँ 17 दिसंबर से 23 दिसंबर के मध्य आयोजित की जाएँगी।
- "नव पदार्थ (पुण्य-पाप)" पुस्तक अभातेममं के रोहिणी कार्यालय में उपलब्ध है।

निर्देशिका	संयोजिका		
श्रीमती पुष्पा बेंगानी 93112 50290	श्रीमती सोनाली पटावरी 98180 98012	श्रीमती संस्कृति भंडारी 88516 21592	श्रीमती राजुल मनोत 88008 75707

मातृत्व दिवस

आप सभी जानती हैं कि मातृत्व दिवस (Mother's Day) हर वर्ष मई माह के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिन 10 मई को आ रहा है। मई का महीना अपने आप में खास होता है-यह पीहर जाने का महीना भी होता है...वो पल जब हमारी माँ दहलीज पर खड़ी होकर हमारी राह निहारती है... तो क्यों न इस Mother's Day को हम अपनी माँ के साथ कुछ खास तरीके से मनाएं?

जब हम स्वयं माँ बनते हैं, तभी हमें माँ के प्यार, त्याग और महत्व का सच्चा एहसास होता है...तो आइए, इस खास दिन पर अपने दिल की भावनाओं को अपनी माँ के सामने व्यक्त करें

Activity:

- 1 मिनट की एक रील बनानी है
- काव्यात्मक या किसी भी क्रिएटिव तरीके से
- "मेरी माँ का मेरे जीवन में क्या महत्व है" — इस भाव को व्यक्त करना है

Rules:

- केवल सगी माँ और बेटी ही वीडियो में होंगी
- सिर्फ बेटी अपनी माँ के लिए अपनी feelings व्यक्त करेगी
- वीडियो को creative और heart-touching बनाएं

आइए, इस Mother's Day को यादगार बनाएं... माँ के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को खूबसूरती से व्यक्त करें

सेवा साधक श्रेणी

क्या है "सेवा साधक श्रेणी"?

यह एक विशेष पहल है जिसमें ऐसे श्राविकाओं को अवसर दिया जाता है जो, अपने जीवन का कुछ या पूर्ण समय साधना, अध्ययन एवं सेवा में समर्पित करना चाहती हैं।

किनके लिए है यह श्रेणी?

- ☑ जो पारिवारिक दायित्वों से निवृत्त होकर अपना जीवन समर्पित करना चाहती हैं
- ☑ जो साधिका के रूप में साधना-सेवा करना चाहती हैं
- ☑ जो वर्ष में कुछ समय (1 से 9 माह) देना चाहती हैं
- ☑ जो दीक्षा की भावना रखती हैं लेकिन अवसर नहीं मिला
- ☑ जो अविवाहित रहकर संघ सेवा में अपना जीवन समर्पित करना चाहती हैं

अर्हताएं (Eligibility)

- ☑ तेरापंथ धर्मसंघ की श्राविका
- ☑ शारीरिक रूप से स्वस्थ (कम से कम 4 कि.मी. चलने की क्षमता)
- ☑ निर्धारित प्रशिक्षण एवं प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण
- ☑ आयु: लगभग 18 से 75 वर्ष

विशेष सूचना:
साधक अपनी रुचि अनुसार सेवा / साधना / अध्ययन में से क्षेत्र चुन सकते हैं।

सेवा के क्षेत्र (Service Areas)	साधना के प्रमुख बिंदु (Sadhana Points)	अध्ययन के विषय (Study Subjects)
•साधु-संत सेवा •चिकित्सा सेवा •प्रशिक्षण, अध्यापन •शोध, लेखन, संपादन •श्रावक समाज की संभाल •जनसंपर्क एवं अन्य सेवाएं •संगठन एवं संस्थाओं का कार्य •आध्यात्मिक एवं सामाजिक गतिविधियाँ	•नवकार महामंत्र एवं जाप •श्रावक निष्ठा पत्र का उच्चारण •प्रतिदिन कम से कम 2 सामायिक •रात्रि भोजन का त्याग (विशेष स्थिति छोड़कर) •संयमित आहार (आलू, प्याज आदि का त्याग)	•संस्कृत, प्राकृत •आगम एवं तत्त्वज्ञान •आध्यात्मिक प्रशिक्षण •तेरापंथ दर्शन व इतिहास

विशेष व्यवस्था

- आवास एवं भोजन की व्यवस्था
- चिकित्सा सुविधा
- यात्रा सुविधा

क्यों जुड़ें?

- जीवन को सार्थक बनाने का अवसर
- आध्यात्मिक उन्नति
- समाज सेवा का श्रेष्ठ माध्यम

☛अभी आवेदन करें: संयोजिका श्रीमती अर्चना भंडारी 98100 11500

शाखा मंडलों का वार्षिक साधारण सत्र

सभी शाखा मंडल वर्ष 2024–25 की साधारण सदन की वार्षिक बैठक का आयोजन 25 जून से 25 जुलाई के मध्य अनिवार्य रूप से संपन्न करें। बैठक का संचालन निर्धारित एजेंडा के अनुरूप तथा संगठन के संविधान में उल्लिखित नियमों के अनुसार किया जाए तथा बैठक में संविधान का वाचन भी अवश्य किया जाए। कृपया यह भी सुनिश्चित करें कि साधारण सभा के जो भी मिनिट्स (Minutes) हों, उन्हें शाखा के मिनिट्स बुक में विधिवत दर्ज किया जाए। बैठक के दौरान वार्षिक प्रतिवेदन, वित्तीय विवरण तथा आगामी संगठनात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक विकास से संबंधित कार्यक्रमों पर सार्थक चर्चा की जाए।

समस्त कार्यवाही सौहार्दपूर्ण वातावरण, सहयोगात्मक भावना एवं संगठनात्मक मर्यादा के साथ संपन्न हो तथा बैठक की कार्यवाही विवरणिका नियमानुसार समय पर प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

आप सभी का सक्रिय सहयोग संगठन की सुदृढ़ता एवं प्रभावी कार्यप्रणाली को और अधिक सशक्त बनाएगा।

चित्र - चिंतन

Google link
https://forms.gle/wXkZecxzvRfZJRgC7

सादर जय जिनेंद्र,

हाल ही में हमने अक्षय तृतीया के पावन पर्व को मनाया है, आदिनाथ प्रभु की महिमा को समझा है। उन्हीं आदिनाथ प्रभु की देन है विविध प्रकार की कलाएं जो उन्होंने अपने पुत्र पुत्रियों के माध्यम से हम सब तक पहुंचाई। यह कलाएं चंद्रमा की कलाओं की तरह स्वरूप बदलती रहती हैं , साथ ही साथ कला को अपनाने वाले के निजी व्यक्तित्व के स्वरूप में जो निखार आता है, वह दृश्य भी होता है, विशेष भी।

एक नारी कला की जीवंत संवाहक ही नहीं बनती है, परंपरा और आधुनिक युग की मांग में संतुलन भी बना कर रखती है।

निम्न प्रेषित Google Link के द्वारा Google Form खोलें और संलग्न चित्र के आधार पर 8-10 कव्यात्मक पंक्तियों में प्रेषित करें। अपनी प्रस्तुति को एक सार्थक शीर्षक भी दें।

सूचना:

1. अभिव्यक्ति Google Form के माध्यम से सिर्फ़ हो।
2. प्रविष्टी भेजने की अन्तिम तिथि - 12 May 2026।
3. यह प्रतियोगिता बहनों के चिन्तन और लेखन के सामर्थ्य को और अधिक उर्वर बनाने हेतु किया जा रहा एक लघु प्रयास है।
4. अन्य जिज्ञासा हेतु संयोजिका श्रीमती शिल्पा बैद से 98108 58490 पर Whats app पर Message भेज कर सम्पर्क कर सकते हैं।

मार्च माह की प्रतियोगिताओं के विजेता रहें:

महिला मंडल QUIZ

Total 1210 Responses

अल्का जैन, किलपॉक
सवीना जैन, कोपल
पिंकी मेहनोत, पर्वत पटिया
मनीषा चोरड़िया, जलगांव
संतोष चोपड़ा, सिलचर
वनिता मेहता, थाने
रिंकू जैन, पेटलावद
सोनम बाफना, चित्रदुर्ग
कमला कोठारी, चूरू
ममता चिपड़, गोरेगांव

कन्या मंडल QUIZ

Total 385 Responses

जिनल शाह, डुंगरी
खुशी काल्या, नवसारी
रिधी जैन, गाजियाबाद
कली पुगलिया, बीकानेर
लब्धि जैन, दौलतगढ़
मुदिता जैन, गंगाशहर
सुरभि जैन, जयपुर
निधी बोथरा, नागपुर
ईशा जैन, हुबली
आंचल बाफना, राजराजेश्वरी नगर

युवती विभाग - चित्र चिंतन QUIZ

Total 290 Responses

डिंपल ढूधोड़िया, बाली-बेलूर
स्वीटी बाफना, मुलुंड
शोभा सुराणा, पुणे
सीमा बरड़िया, तिरुपुर
प्रीति डाकलिया, पीलीबंगा
अंजू नौलखा, दौलतगढ़
अंजू श्रीमाल, जोधपुर
चंचल जैन, साउथ हावड़ा
हर्षा घीया, शाही बाग
हेमा बागरेचा, भायंदर

विजेताओं को बहुत-बहुत बधाईयां।

सभी विजेताओं से निवेदन है कि कृपया अपना पता संबंधित संयोजिकाओं को WhatsApp कर दें।

आरोहण

By the girls, for the spirit within

प्यारी बेटियों सस्नेह जय जिनेन्द्र,

अप्रैल माह में हम सब ने अपने गुरु आचार्य महाश्रमण जी का जन्म दिवस, दीक्षा दिवस और पदाभिषेक दिवस मनाया, जो हमारे भीतर आध्यात्मिक ऊर्जा का संप्रेषण करते हैं। गुरु की ऊर्जा से नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत आपको नए ज्ञान की प्राप्ति के लिए प्रेरित करती रहे।

जिन बेटियों की छुट्टियाँ चल रही हैं, उनके लिए समय है अपनी विभिन्न रुचियों में निखार लाने का। इस माह में विशेष रूप से व्यक्तित्व विकास, संस्कार निर्माण, आत्मनिर्भरता, डिजिटल सुरक्षा और रचनात्मक अभिव्यक्ति में विशिष्टता प्राप्त करें।

कन्या मंडल-करणीय कार्य

स्मार्ट किचन

SMART PLATE : HAPPY WEIGHT

सभी स्वस्थ रहना चाहते हैं और स्वस्थ रहने के लिए भोजन पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। बेटियों की विशेष मांग पर एक बार फिर से Smart Kitchen Webinar लेकर आए हैं। दिनांक: 16 मई रात्रि 8:00 बजे प्रशिक्षिका: डॉ. सारिका गिड़िया

E SHAKTI WE सशक्त

AI और डिजिटल युग में नारी शक्ति को सशक्त बनाने हेतु एक सर्टिफिकेट कोर्स प्रारम्भ किया जा रहा है। AI Powered Advanced Computer Courses

Training by: IT GURUJI

इस कोर्स से जुड़ने के लिए आपको व्हाट्सऐप लिंक प्रेषित किया जा चुका है। बेटियाँ समय का सदुपयोग करते हुए इस कोर्स से अवश्य जुड़ें।

JAINISM IN GENZ

पंच परमेष्ठी गीतिकाओं की कक्षाएँ प्रत्येक माह के प्रति शुक्रवार और शनिवार एवं 25 बोल की कक्षाएँ प्रतिमाह प्रति सोमवार व मंगलवार को चलती हैं। अब तक आपने तीन गीतिकाएँ कंठस्थ कर ली होंगी। अब इन तीन गीतिकाओं पर एक QUIZ का आयोजन अपने भवन में करना है, जिसका प्रारूप आपको WhatsApp के माध्यम से प्रेषित कर दिया जाएगा। छहों गीतिकाओं के ऊपर स्थानीय स्तर पर आयोजित क्विज़ में विजेता बेटियाँ अधिवेशन में फाइनल क्विज़ में भाग ले सकती हैं। सभी बेटियाँ अधिक से अधिक इन कक्षाओं से जुड़कर अपना ज्ञान वर्धन करें।

संकल्प – "विराट कन्या सम्मेलन"

परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन सानिध्य में 24–25–26 जुलाई 2026 को लाडनूं में "संकल्प – विराट कन्या सम्मेलन" आयोजित किया जा रहा है।

AI से बढ़ेगी बुद्धि की उड़ान, EI से समझे दिलों की पहचान। AI दे ज्ञान का विस्तार, EI सिखाए भावों का व्यवहार।

AI बनाए सोच को तेज, EI रखता दिलों में स्नेह सहेज। AI से सीखें नया जमाना, EI से रिश्तों को निभाना।

परन्तु रुको और समझो - SI से क्या मिलता है?

SI से जुड़े समाज से नाता, SI से मिले सेवा के संस्कार, SI सिखाए मिलजुल कर चलना, SI से होता आत्म-उत्थान।

इन तीनों के समन्वय से ही बेटियों का संसार चमकता है।

इनके संतुलन से जीवन सुखमय और सुनहरा बनता है।

इन तीनों से ही हमें अपने जीवन को सजाना है,

गुरु सानिध्य में बैठकर कुछ सुनना, सुनाना और समझना है।

We're excited to welcome you as scheduled! Get your bags ready to take flight into the skies of SI."We promise- this journey will become a lifetime memory and a proud achievement for you.

Important Information:

- Registration link opens on 15 May 2026
- Registration fee: Rs. 1100 (to be deposited in ABTMM Bank A/C)
- Program will commence 24 July evening and conclude on 26 July afternoon
- Please bring your Samayik kit, essential medicines, and bedsheet.

सीट्स हैं लिमिटेड, मौका न गंवाएँ! लिंक खुलते ही रजिस्ट्रेशन अवश्य कराएँ।

Programme Convenor

Mrs. Mamta Ranka, 94141 42924 Mrs. Sadhna Samsukha 90233 04863

सेवा संवाद

♦ संवाद सेवा का, समर्पण का, संगठित नारी शक्ति का ♦

विराट युवती सम्मेलन "संगम"
एक भावपूर्ण झलक

दिनांक 27 मार्च 2026 को लाडनूँ की पावन धरा पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में त्रिदिवसीय विराट युवती सम्मेलन "संगम" का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर आयोजित भिक्षु भजन संध्या में देशभर से पधारी बहनों ने मधुर गीतिकाओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। नवयुवतियों द्वारा "श्रद्धा" विषय पर आचार्य भिक्षु के जीवन पर आधारित प्रस्तुति ने उपस्थित सभी श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा देशभर से पधारी युवतियों का हार्दिक स्वागत किया गया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने युवतियों को सामाजिक, पारिवारिक एवं आध्यात्मिक जीवन में संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की तथा जीवन में परंपरागत मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया।

मुख्य वक्ता RJ कार्तिक ने अपने उद्बोधन में FAMILY शब्द की रोचक व्याख्या करते हुए पारिवारिक जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं, संबंधों की चुनौतियों एवं उनके समाधान को प्रभावशाली उदाहरणों के साथ प्रस्तुत कर युवतियों को विशेष रूप से प्रेरित किया। द्वितीय सत्र में नौ साध्वी प्रमुखाओं के जीवन चरित्र पर आधारित भावपूर्ण गीतिकाओं की प्रस्तुति विभिन्न शाखा मंडलों द्वारा दी गई, जिससे संपूर्ण वातावरण "ॐ अर्हम" की दिव्य ध्वनि से गुंजायमान हो उठा। प्रथम दिवस के विशेष सत्र में पंच परमेष्ठी गीतिकाओं पर आधारित क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें देशभर से 400 से अधिक बहनों ने भाग लिया। इनमें से 168 प्रतिभागी सम्मेलन स्थल पर उपस्थित रहकर अंतिम चरण तक पहुँचीं और अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया।

चतुर्थ सत्र में विभिन्न शाखा मंडलों द्वारा समसामयिक सामाजिक विषयों पर समाधानपरक प्रस्तुतियाँ दी गईं। "उड़ान सपनों की - डोर जिम्मेदारी की", "सोशल मीडिया बनाम ह्यूमन बीइंग", "कोख से कल तक", "जैन जीवनशैली", "हमारी संस्कृति हमारा अभिमान" तथा "पारंपरिक त्योहारों का महत्व" जैसे विषयों पर केंद्रित इन प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विचारोत्तेजक बनाया और उपस्थित जनसमूह को गहन चिंतन के लिए प्रेरित किया। सम्मेलन के आगामी सत्रों में आयोजित "सखी Summit" एवं "परंपरा with Modernity" कार्यक्रमों के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सम्मेलन के तीसरे दिन का समापन श्रद्धेय आचार्य प्रवर के पावन सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। उनके प्रेरणापाथेय ने युवतियों को जीवन के चारों आयाम- पारिवारिक, सामाजिक, धार्मिक एवं आत्मिक- में संतुलित एवं समन्वित विकास की दिशा प्रदान की। साध्वी प्रमुखा श्री एवं साध्वीवर्या जी ने आधुनिकता के साथ आध्यात्मिकता का समन्वय स्थापित करते हुए संस्कारयुक्त जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान की।

देश-विदेश से पधारी लगभग 1008 युवतियों की गरिमामयी उपस्थिति ने इस सम्मेलन को विशेष रूप से भव्य एवं प्रभावशाली बना दिया। यह त्रिदिवसीय विराट युवती सम्मेलन "संगम" प्रत्येक सहभागी युवती के मन में अमिट छाप छोड़ गया- एक ऐसा संगम, जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर समन्वय साकार रूप में देखने को मिला तथा जहाँ प्रत्येक युवती ने स्वयं को सशक्त, प्रेरित एवं संस्कारित अनुभव किया।

रोहिणी भवन में पूज्य गुरुदेव का मंगल पदार्पण

प्रेरणा से अभिभूत हुआ अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के रोहिणी भवन में परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी का पदार्पण अत्यंत गरिमामय वातावरण में हुआ। विराट युवती सम्मेलन एवं कार्यसमिति बैठक के पूर्व हुआ यह पावन आगमन समस्त बहनों के लिए विशेष प्रेरणास्रोत बन गया।

पूज्य गुरुदेव ने रोहिणी भवन में विराजमान होकर मंगल पाठ का श्रवण करवाया, जिससे वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा एवं शांति से आलोकित हो उठा। गुरुदेव की सन्निधि में उपस्थित सभी बहनों ने आत्मिक उन्नयन एवं सेवा-संकल्प की नवीन प्रेरणा प्राप्त की।

यह मंगल अवसर न केवल संगठन के लिए गौरव का विषय रहा, बल्कि सभी के हृदय में अध्यात्म, अनुशासन एवं समर्पण की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ।

रोहिणी भवन में साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा जी का पदार्पण

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के रोहिणी भवन में साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुत विभा जी का मंगलमय पदार्पण से समूचा वातावरण श्रद्धा, सौहार्द और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। साध्वी प्रमुखा जी की सन्निधि पाकर बहनों में विशेष उत्साह का संचार हुआ तथा पूरे परिसर में आत्मीयता एवं आह्लाद का वातावरण निर्मित हो गया। स्वागत हेतु बहनों द्वारा भावपूर्ण स्वागत गीत की सुंदर प्रस्तुति दी गई। यह पावन अवसर सभी के लिए प्रेरणादायी रहा, जिसने बहनों के हृदय में सेवा, समर्पण एवं संस्कारों के प्रति नवीन चेतना का संचार किया।

ट्रस्ट बोर्ड एवं कार्यसमिति बैठक सम्पन्न

दिनांक 26-27 मार्च को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की कार्यसमिति बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई। 26 मार्च की प्रातःकालीन बैठक में ट्रस्ट बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें संगठन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा प्रमुख बिंदुओं पर निर्णय लिए गए। 27 मार्च को कार्यसमिति बैठक का प्रथम सत्र लाड़नूँ में तथा द्वितीय सत्र सालासर में आयोजित हुआ। बैठक में सभी कार्यसमिति सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति रही। विभिन्न योजनाओं, आगामी कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक विषयों पर सार्थक एवं स्वस्थ चर्चा हुई। यह बैठक अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रही।

कन्या मंडल की सार्थक गतिविधियों की झलक

लाइफस्टाइल लैब वेबिनार आयोजित:

21 मार्च को "The Art of Public Speaking and Smart Dressing" विषय पर एक प्रभावशाली वेबिनार आयोजित किया गया। सत्र की प्रशिक्षिका खुशबू जी कर्णावट (मनोविज्ञान विशेषज्ञ एवं पर्सनल इमेज कंसल्टेंट) ने बेटियों को मंच पर प्रभावशाली first Impression के महत्व को समझाया।

उन्होंने व्यक्तित्व विकास एवं आत्मविश्वास निर्माण में सार्वजनिक बोलने की कला और स्मार्ट ड्रेसिंग की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके शब्दों से पहले प्रभाव डालता है, इसलिए उसे सशक्त बनाना आवश्यक है।

कार्यक्रम की शुरुआत महामंत्री श्रीमती रचना हिरण द्वारा मंगलाचरण एवं शुभकामनाओं के साथ हुई। वेबिनार में लगभग 294 बेटियों की सहभागिता रही।

Jainism in Gen Z:

श्रीमती कुमकुम जी संचेती द्वारा गीतिकाओं का शब्दार्थ एवं भावार्थ सहित प्रभावी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में लगभग 20–25 बेटियां नियमित रूप से भाग लेकर जैन दर्शन की गहराई को समझ रही हैं।

संगठन यात्रा – साउथ ज़ोन:

5 अप्रैल को साउथ ज़ोन कन्या मंडल की संगठन यात्रा सफलतापूर्वक आयोजित की गई, जिसमें लगभग 100 कन्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुश्री सुरभि बोथरा द्वारा नमस्कार महामंत्र से हुई, जिसके बाद एक रोचक आइस-ब्रेकिंग एक्टिविटी ने सभी प्रतिभागियों में ऊर्जा का संचार किया और आपसी जुड़ाव को और मजबूत बनाया।

इस अवसर पर सुश्री झलक ने पिछले छह महीनों की उपलब्धियों और प्रगति को दर्शाती हुई एक प्रेरणादायक प्रस्तुति दी। विशेष रूप से, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमन नाहटा ने अपने जन्मदिन, 5 अप्रैल के अवसर पर ऑनलाइन जुड़कर सभी का उत्साहवर्धन किया, जिस पर सभी कन्याओं ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं। आयोजित चर्चा सत्र में प्रतिभागियों को अपने विचार साझा करने और नई सीख प्राप्त करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सुश्री खुशबू दुगड़ द्वारा संचालित "Guess the Personality" क्विज़ रहा, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस दौरान कन्या मंडल राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती हेमा चोरड़िया ने अधिवेशन, पंच परमेष्ठी गीतिकाओं एवं पच्चीस बोल की कक्षाओं की जानकारी दी, जबकि सह संयोजिका श्रीमती जयश्री जोगड़ ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन साउथ ज़ोन संयोजिका श्रीमती रुचिका पटावरी द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया एवं अंत में आभार व्यक्त किया गया।

इंटरनेशनल ज़ोन संगठन यात्रा:

4 अप्रैल को ज़ूम के माध्यम से इंटरनेशनल ज़ोन की संगठन यात्रा सफलतापूर्वक आयोजित की गई, जिसमें 40 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुश्री खुशी भंसाली द्वारा मंगलाचरण से हुई, जिससे पूरे वातावरण में सकारात्मकता और शांति का संचार हुआ।

इस अवसर पर कन्या मंडल राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती हेमा चोरड़िया ने आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा करते हुए सभी को सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण उनके द्वारा प्रस्तुत प्रेरणादायक कथा रही, जिसमें भारतीय इतिहास और त्योहारों के महत्व को रोचक एवं प्रभावी ढंग से समझाया गया।

पूरे कार्यक्रम का संचालन अंतरराष्ट्रीय संयोजिका सुश्री जागृति छाजेड़ द्वारा सुंदरता से किया गया तथा अंत में उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

संगम "विराट युवती सम्मेलन": अनुभवों की अभिव्यक्ति

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आयोजित युवती सम्मेलन- एक ऐसा यादगार सफर रहा जिसे हम हर साल अपनी यादों में जोड़ना चाहेंगे। नए सोच नए उमंगों के साथ, एक नया इतिहास रचा है।
सुसज्जित व्यवस्था, और एक प्यार भरा प्रांगण, और एक पवित्र धरती पर सभी का समावेश। संभव हुआ अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा।आप सभी का आभार बारंबार।

इस्लामपुर महिला मंडल (युवती विभाग)

सं - संगीतमयी
ग - गरिमापूर्ण
म - मजेदार
वि - विलक्षण
रा - मार्गदर्शक
ट - टाइम बाउंड
यु - युवाशक्ति से परिपूर्ण
व - वर्चस्वी नेतृत्व
ती - तीक्ष्णबुद्धि से संपन्न

सम्मेलन
"संगम" विराट युवती सम्मेलन सचमुच अद्भुत, प्रेरणादायक और अविस्मरणीय अनुभव रहा।
संगीत, गरिमा, ऊर्जा और मार्गदर्शन से भरपूर इस सम्मेलन के सभी कार्यक्रम अत्यंत प्रभावशाली रहे।
गुरु सान्निध्य, पंचपरमेष्ठी स्मरण और प्रमुखाश्रीजी के पाथेय ने हमें नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की।

मोनिका छाजेड़ मालू
श्रीडूंगरगढ़ महिला मंडल (युवती विभाग)

"संगम" विराट युवती सम्मेलन एक ऐसा अनुभव रहा जो मन में बस गया। सुमन जी नाहटा का सशक्त नेतृत्व, उनका अटूट समर्पण व स्नेह - हर युवती तक व्यक्तिगत रूप से पहुँचा - यही इस आयोजन की असली आत्मा थी । और कदम से कदम मिला कर चली ABTMM की पूरी टीम जिनके अथक परिश्रम ने हर क्षण को असाधारण बना दिया ।
RJ कार्तिक के विचार, साध्वी प्रमुखाओं की जीवनगाथा और पूरे आयोजन ने नई सोच व प्रेरणा दी। यह आयोजन सच में एक यादगार इतिहास बन गया।

पश्चिम दिल्ली महिला मंडल (युवती विभाग)

अद्भुत... अद्भुत... अद्भुत...!
अद्भुत कार्यक्रम, अद्भुत संचालन, अद्भुत व्यवस्था, अद्भुत टीम एफर्ट...
सुमन आंटी एवं पूरी टीम को आपके शब्दातीत प्रयासों हेतु हार्दिक साधुवाद। नारी शक्ति की एकता का यह अत्यंत सुंदर दृश्य था।
ऐसे ही कार्यक्रम आगे भी होते रहें और हम आपसे जुड़े रहें — इसी मंगल मनोकामना के साथ...

ॐ अर्हम्। बीकानेर युवती विभाग

"विराट युवती सम्मेलन" ज्ञान, उत्साह और आनंद का सुंदर संगम रहा। ममता मेहता जी व जयश्री सालेचा जी के मार्गदर्शन में 37 सदस्यों की सहभागिता विशेष रही।
RJ कार्तिक का फैमिली सेशन, सुमन जी के प्रेरक विचार, रचना जी का सुसंगठित आयोजन और सोनम जी का स्नेहपूर्ण संचालन अत्यंत प्रभावशाली रहा।
उत्तम व्यवस्थाएँ, स्वादिष्ट भोजन, भिक्षु भजन संध्या, प्रस्तुतियाँ व प्रेरक रैली ने पूरे वातावरण को ऊर्जावान बना दिया। आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन पाकर स्वयं को धन्य अनुभव किया। यह अनुभव सच में अविस्मरणीय रहा।

जसोल महिला मंडल युवती विभाग

"विराट युवती सम्मेलन" एक प्रेरणादायक संगम रहा, जहाँ सुमन जी व रचना जी के नेतृत्व में अद्भुत आयोजन देखने को मिला। सालासर व लाडनूं में भक्ति, प्रेरणा और सीख का सुंदर अनुभव मिला।
RJ कार्तिक की वाणी, 9 साध्वी प्रमुखाओं की जीवनगाथा और प्रस्तुतियों ने जीवन में कुछ कर गुजरने का भाव जगाया। गुरुदर्शन व आध्यात्मिक वातावरण ने मन को तृप्त कर दिया।
यह अनुभव शब्दों से परे है-स्मृतियों में सदा जीवंत रहेगा। पुनः ऐसे संगम की प्रतीक्षा।

ठाणे महिला मंडल (युवती विभाग)

"विराट युवती सम्मेलन" एक प्रेरणादायक संगम रहा, जहाँ सुमन जी व रचना जी के नेतृत्व में अद्भुत आयोजन देखने को मिला। सालासर व लाडनूं में भक्ति, प्रेरणा और सीख का सुंदर अनुभव मिला।
RJ कार्तिक की वाणी, 9 साध्वी प्रमुखाओं की जीवनगाथा और प्रस्तुतियों ने जीवन में कुछ कर गुजरने का भाव जगाया। गुरुदर्शन व आध्यात्मिक वातावरण ने मन को तृप्त कर दिया।
यह अनुभव शब्दों से परे है-स्मृतियों में सदा जीवंत रहेगा। पुनः ऐसे संगम की प्रतीक्षा।

ठाणे महिला मंडल (युवती विभाग)

विराट युवती सम्मेलन के लिए सभी आयोजकों का हृदय से आभार। सम्मेलन से हमें नई सीख, प्रेरणा और सकारात्मक दृष्टिकोण मिला। 28 तारीख के सत्र - सुमन आंटी, RJ Karthik की प्रेरक वाणी, 9 सतियों की प्रस्तुतियाँ एवं अंतिम मोटिवेशनल एक्ट्स अत्यंत प्रभावशाली रहे।
उत्कृष्ट व्यवस्था और मिले अनुभवों ने इसे यादगार बना दिया। भविष्य में भी ऐसे अवसर मिलते रहें, यही कामना है।

विराटनगर महिला मण्डल (युवती विभाग)

"संगम" विराट युवती सम्मेलन में लाडनूं में गुरुदेव के दर्शन, प्रेरक सत्र, RJ कार्तिक जी का मार्गदर्शन तथा साध्वी प्रमुखा के जीवन पर आधारित प्रस्तुति ने विशेष रूप से प्रभावित किया। सभी एक्ट्स बहुत अच्छे और प्रेरणादायक रहे। भव्य रैली और सुसंगठित व्यवस्था ने पूरे सम्मेलन को अविस्मरणीय बना दिया।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के प्रति हृदय से आभार।

उधना महिला मंडल (युवती विभाग)

विभिन्न क्षेत्र की युवतियों से सजा था ये विराट संगम,
प्रेरणा की हर किरण में झलक रहा था अपनापन।
मेहनत हर एक की रंग लाई, हर दिल में उमंग छाई,
खुशी इतनी अपार है कि शब्दों में बांध ही नहीं पाई।
जहाँ हर बात में सीख थी, हर पल में थी नई उड़ान,
स्वागत से आभार तक था ABTMM का नया अंदाज,
ऐसा लगा जैसे मिल गया हो खुद पर विश्वास का प्रमाण।
मेहनत और लगन से सजा ये अद्भुत आयोजन,
Down to earth सुमन जी अगली बार फिर जल्दी करवाना ऐसा सम्मेलन।

नागपुर महिला मंडल (युवती विभाग)

'संगम' विराट युवती सम्मेलन सचमुच अद्भुत, सुव्यवस्थित और प्रेरणादायक रहा। सुमन जी एवं ABTMM टीम के समर्पण ने हर क्षण को खास बना दिया।
RJ कार्तिक की कहानियों व प्रेरक बातों, 9 साध्वी प्रमुखाओं की जीवनगाथा, सामाजिक विषयों पर आधारित प्रस्तुतियाँ और पंचपरमेष्ठी क्विज ने ज्ञान व भक्ति का सुंदर संगम कराया।
यह दो दिवसीय आयोजन हमारे लिए अविस्मरणीय अनुभव बन गया। दिल से आभार।

महिला मंडल जयपुर सी स्कीम युवती विभाग

ABTMM नव युवती संगम में 9 साध्वी प्रमुखाओं की जीवनगाथा, RJ कार्तिक की प्रेरक कहानियाँ और चारित्र आत्माओं के आशीर्वचन ने मन को गहराई से स्पर्श किया। सामाजिक विषयों पर प्रस्तुतियाँ विचारोत्तेजक रहीं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद भोजन व व्यवस्था सराहनीय रही।
यह कार्यक्रम सचमुच अविस्मरणीय रहा।

धोइंदा महिला मंडल

युवती सम्मेलन का सुंदर, सुव्यवस्थित एवं प्रेरणादायक आयोजन करने हेतु ABTMM परिवार का हृदय से आभार। हर छोटी बात में समर्पण, दूरदर्शिता और उत्कृष्ट टीमवर्क झलकता रहा।
राष्ट्रीय अध्यक्षा सुमन जी के स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन और RJ कार्तिक के प्रेरक विचारों ने विशेष छाप छोड़ी। सभी प्रस्तुतियाँ बेहद सुसंगठित और प्रभावशाली रहीं। हम सुखद स्मृतियों के साथ नई सीख, प्रेरणा और एकता की भावना लेकर लौटे। इस सफल आयोजन हेतु सभी का हार्दिक धन्यवाद।

हिसार तेरापंथ महिला मंडल, हरियाणा

प्रतिभाएं कई रंग बिरंगी एक मंच पर नज़र आई, प्रेम और अनुशासन के सुमन से सुरभित युवती तुमने केसरिया रंग में अपनी नई पहचान बनाई।
बन सकती हो प्रेरणा तुम भी लाखों की खुद तुमसे ही खुद की पहचान कराई। कैसे सफल बन पाए ये जीवन, जीने की वो कला समझाई।
बुझने ना देना उस आत्मविश्वास की लौ को अपनी, अखिल भारतीय महिला मंडल ने जो तुममें है जगाई।।

धन्यवाद
East Delhi yuvati vibhag

विराट युवती सम्मेलन एक प्रेरणास्पद और अद्वितीय अनुभव रहा, जहाँ सपनों, संकल्प और सकारात्मक ऊर्जा का सुंदर संगम देखने को मिला। ABTMM टीम की उत्कृष्ट व्यवस्था, अनुशासन और नवीनता ने हर क्षण को प्रभावशाली बनाया।
सभी प्रस्तुतियों ने सशक्त संदेश देते हुए प्रेरित किया। यह अनुभव सच में अनमोल स्मृतियों में सदा संजोकर रखने योग्य रहेगा।
एक सुझाव के रूप में-भविष्य में विभिन्न शाखाओं के बीच और अधिक संवाद व सहभागिता के अवसर हों, तो यह अनुभव और भी समृद्ध हो सकता है।
हृदय से साधुवाद एवं आभार।

पचपदरा महिला मंडल

"सुमन जी हैं, तो संभव है"
"संगम" विराट युवती सम्मेलन एक प्रेरणादायक और यादगार पहल रही। सुमन जी के दूरदर्शी नेतृत्व में त्रिदिवसीय आयोजन की व्यवस्था, सत्र और प्रस्तुतियाँ अत्यंत सुव्यवस्थित व प्रभावशाली रहीं।
RJ कार्तिक का सत्र, 9 साध्वी प्रमुखाओं की प्रस्तुति, पंचपरमेष्ठी क्विज, रात्रिकालीन एक्ट्स, लाडनूं की भव्य रैली व गुरुसान्निध्य- सभी क्षण प्रेरणादायक रहे।
इस मंच का हिस्सा बनने का अवसर पाकर आभार- यह अनुभव अविस्मरणीय रहेगा।

उत्तर दिल्ली महिला मंडल (युवती विभाग)

कभी-कभी जीवन ऐसे पड़ाव देता है, जहाँ हम केवल सहभागी नहीं बनते, बल्कि स्वयं को और गहराई से जान पाते हैं। "संगम" विराट युवती सम्मेलन ऐसा ही एक आत्मिक अनुभव रहा-जहाँ हर पल ठहरकर कुछ सिखाता रहा और सादगीपूर्ण व्यवस्था अपनी अलग छाप छोड़ गई।
सुमन आंटी के स्नेहिल शब्द और कार्तिक सर की प्रेरक प्रस्तुति ने मन को गहराई से स्पर्श किया। साध्वी प्रमुखा के जीवन पर आधारित प्रस्तुति, सभी एक्ट्स, भव्य रैली और गुरुदर्शन का सौभाग्य-इन सबने इस अनुभव को और भी दिव्य बना दिया।
लौटते समय हम अपने साथ केवल स्मृतियाँ ही नहीं, बल्कि नई ऊर्जा, स्पष्ट सोच और कुछ बेहतर करने की प्रेरणा भी लेकर लौटे।
दिल से आभार उन सभी का, जिन्होंने इस अद्भुत अनुभव को संभव बनाया। यह अंत नहीं, एक नई शुरुआत का संकेत है।

नोएडा महिला मंडल नोएडा (युवती विभाग)

विराट युवती संगम का प्रत्येक श्रण प्रेरणादाई, उत्साह से भरा ,उमंग से भरा, जोर से भरा था। हम सभी ने सीखा अनुशासन में रहना, सपनों में रंग भरना, पारिवारिक सौहार्द, नवीनता के साथ प्राचीन संस्कृति को भी अपनाना। आप सभी का बहुत-बहुत आभार

देशनोक युवती मंडल

First of all I really thank Suman Nahataji for the thought of organizing such beautiful & historical event
The execution of this thought was even more beautiful & praiseworthy
What I really liked was the great synchronisation between the ABTMM members..
Everything was simply great.. the accomodation, food, the events, quiz.
So delighted to see the beautiful & intelligent yuvtis..
Very very very thankful to everyone behind this SANGAM

Bardoli mahila mandal (Yuvati Vibhag)

शानदार संगम-विराट युवती सम्मेलन, लाडनूं
अध्यात्म, संस्कार, परंपरा और प्रगति का अद्भुत संगम-हर सत्र प्रेरणास्पद रहा। सुमन जी-नाम ही नहीं, व्यक्तित्व भी सुमन सा, जिनकी सुगंध से हर हृदय महक उठा। उनकी सरलता, वात्सल्य और दूरदर्शी सोच ने हर युवती के मन में नया विश्वास जगाया। गुरुदर्शन, प्रमुखाश्रीजी का सानिध्य, प्रेरक सत्र और स्नेहभरा वातावरण-सबने मन को छू लिया। यह संगम हमें नई ऊर्जा और दिशा देकर गया-सच में एक अविस्मरणीय अनुभव।

महिला मंडल भीलवाड़ा युवती विभाग

रंग-बिरंगे फूलों सा सजा यह विराट संगम,
हर युवती ने मिलकर बनाया इसे अनुपम।
विराट युवती सम्मेलन में युवतियाँ ऐसे सुशोभित हो रही थीं मानो विविध रंगों के फूल एक सुंदर गुलदस्ते में सजे हों।
कर्मठ अध्यक्षा सुमन जी नाहटा के प्रति विशेष कृतज्ञता-उनका अपनापन, स्नेह और हर छोटी भावना का ध्यान मन को छू गया।
9 प्रमुखाओं की भावपूर्ण प्रस्तुति, पंचपरमेष्ठी क्विज, संगीत संध्या व रात्रिकालीन कार्यक्रम-हर क्षण अद्भुत और प्रेरणादायक रहा।
यह आयोजन आध्यात्मिकता, अनुशासन, रचनात्मकता और सकारात्मकता का सुंदर संगम रहा।

तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद युवती विभाग

यह विराट युवति सम्मेलन संगम एक अभूतपूर्व और अविस्मरणीय रहा। शब्दो में से बताना नामुमकिन है।आप सभी की मेहनत, लग्न और संघ के प्रति समर्पण देखने को मिला।उससे भी ज्यादा हमारी अध्यक्षा श्री मति सुमन जी नाहटा एवं पूरी टीम के विनय ने सभी का मन मोह लिया।

तारानगर महिला मंडल(युवती विभाग)

विराट युवती सम्मेलन एक अभूतपूर्व और शानदार कार्यक्रम रहा | आपकी पूरी टीम की कड़ी मेहनत, समर्पण और शानदार प्रदर्शन के लिए बहुत बहुत धन्यवाद!
आपकी मेहनत, एकता और असाधारण सहयोग ने ही इस सफलता को संभव बनाया है। इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में आपके हर एक प्रयास, अटूट प्रतिबद्धता और सकारात्मक दृष्टिकोण की हम दिल से सराहना करते है।

विक्रोली महिला मंडल (युवती विभाग)

यादों में बस गया यह सुनहरा "संगम"—हर पल खास और अनुपम रहा। समय प्रबंधन से लेकर व्यवस्था, भोजन व आवास तक सब बेमिसाल रहा। सुमन जी के प्रेरक शब्द और RJ कार्तिक की कहानियाँ दिल को छू गईं। 9 साध्वी प्रमुखाओं की प्रस्तुति, पंचपरमेष्ठी क्विज व रात्रिकालीन एक्ट्स ने ज्ञान, उमंग और प्रेरणा का सुंदर वातावरण बनाया। भव्य रैली, गुरुदर्शन और प्रमुखाश्री जी के आशीर्वाद ने इस अनुभव को और भी दिव्य बना दिया।
ABTMM टीम को दिल से आभार।

तेरापंथ युवती मंडल, RR नगर, बैंगलोर

संगम "विराट युवती सम्मेलन": अनुभवों की अभिव्यक्ति

विराट युवती सम्मेलन एक बहुत ही सुंदर सोच और सपनों से सजा हुआ कार्यक्रम था, जिसे हमारी अंतर्राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा और उनकी पूरी टीम ने वास्तव में साकार कर दिखाया।
इस कार्यक्रम की प्रशंसा करने के लिए शब्द सच में कम पड़ जाते हैं। हर एक गतिविधि इतनी सिस्टेमेटिक, इतनी टाइम-मैनेज्ड और इतनी आकर्षक व रोचक थी कि पूरा समय ऊर्जा और उत्साह से भरा रहा। हर प्रस्तुति अपने आप में एक नया संदेश लेकर आई-बहुत ही प्रेरणादायक और प्रभावशाली।
इस अद्भुत आयोजन के लिए ABTM टीम को दिल से नमन (Hats off) और सभी युवतियों को एक साथ जोड़ने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।
यह अनुभव सच में लाइफटाइम का सबसे खूबसूरत अनुभव रहा।
Thank you ABTMM once again!

सिलिगुड़ी युवती विभाग

Heartfelt thanks to the entire ABTMM team for organizing such a wonderful and inspiring Yuvati Sammelan. The planning, dedication and seamless execution made it truly memorable. Special gratitude to Respected Suman Ji for her motivating presence, and RJ Kartik for his impactful words. All performances were creative and beautifully presented. We return with joyful memories, valuable learnings and renewed inspiration.

Team Yuvati, Vapi Mahila Mandal

"संगम युवाती विराट सम्मेलन" ने हमें आत्मविश्वास, संस्कार, संगठन भावना और आध्यात्मिकता से जोड़ने का बहुत सुंदर कार्य किया। इतने भव्य, सुव्यवस्थित और प्रेरणादायक आयोजन के लिए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल पूरी कार्यकारिणी टीम एवं हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन जी नाहटा का हार्दिक आभार। यह सम्मेलन हमेशा एक सुंदर स्मृति के रूप में याद रहेगा।

पूजा सेठिया
लूणकरणसर महिला मंडल

यादों की पोटली में जुड़ा एक और सुनहरा अध्याय-"संगम" विराट युवती सम्मेलन समय प्रबंधन, उत्कृष्ट व्यवस्था, भोजन व आवास- सब कुछ बेमिसाल रहा। सुमन जी के प्रेरक विचार और RJ कार्तिक की कहानियाँ मन को छू गईं।साध्वी प्रमुखा की जीवनगाथा, पंचपरमेष्ठी क्विज और रात्रिकालीन प्रस्तुतियाँ अत्यंत प्रभावशाली रहीं। भव्य रैली, गुरुदर्शन व प्रमुखाश्री जी के आशीर्वाद ने अनुभव को अविस्मरणीय बना दिया।
यह संगम हर युवती को नई प्रेरणा, सीख और मधुर स्मृतियाँ देकर गया।

अमराईवाडी ओढव युवती मंडल

नव जोश, नव उमंग और श्रद्धा-समर्पण से सजा यह "विराट युवती सम्मेलन" सचमुच एक स्वर्णिम व अविस्मरणीय अनुभव रहा। स्नेह, वात्सल्य और प्रेरणा की अद्भुत अनुभूति हुई।
पूज्य प्रवरों के आशीर्वाद, पंचपरमेष्ठी गीतिकाएँ, साध्वी प्रमुखाओं की जीवनगाथा, मनमोहक प्रस्तुतियाँ और RJ कार्तिक के प्रेरक विचारों ने नई दिशा दी। सुमन जी का उत्साह व रचना जी का सुसंगठित प्रबंधन विशेष आकर्षण रहा।
यह संगम हमें नई ऊर्जा, नई पहचान और सुंदर स्मृतियाँ देकर गया। ऐसे आयोजन निरंतर होते रहें, यही कामना।

अहमदाबाद महिला मंडल (युवती विभाग)

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में आयोजित यह विराट नवयुवती सम्मेलन वास्तव में अत्यंत प्रेरणादायक और अविस्मरणीय रहा। इसके बारे में अपनी भावनाएँ व्यक्त करने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। हमारी आदरणीय अध्यक्ष जी का जो दूरदर्शी विज़न था-सभी नवयुवतियों को एक मंच पर एकत्रित करना, आपस में जोड़ना और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देना-वह पूर्ण रूप से साकार हुआ। पूरे कार्यक्रम में ऊर्जा, अनुशासन और आत्मीयता का अद्भुत समन्वय देखने को मिला, जिसने हम सभी के मन पर गहरी छाप छोड़ी।
नवयुवती टीम का समर्पण, श्रम और लगाव इस कार्यक्रम की सफलता का आधार रहा। आप सभी ने जिस सूझबूझ और निष्ठा से हर छोटी-बड़ी व्यवस्था का ध्यान रखा, वह सच में प्रशंसनीय है। हम सभी युवतियाँ यहाँ से नई सीख, आत्मविश्वास और प्रेरणा लेकर लौट रही हैं। आगे भी यही विश्वास है कि ऐसे कार्यक्रम निरंतर होते रहें, जिससे हम सभी को सीखने, बढ़ने और जुड़ने का यह सुंदर मंच मिलता रहे।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का हृदय से आभार,

सूरत महिला मंडल (युवती विभाग)

Heartiest congratulations and best regards to all the organizers and participants of the Yuvati Samelan at Ladnun .
May this wonderful gathering inspire confidence, unity, and empowerment among all young women. Wishing the program great success and hoping it brings positivity, knowledge, and growth to everyone involved.
May this Samelan continue to encourage creativity, strength, and bright futures for all the yuvatis.
Best wishes for a successful and memorable event!

(Yuvti Vibhag)

विराट युवती सम्मेलन अद्भुत एवं प्रेरणादायक रहा।
अमृतसर महिला मंडल (युवती विभाग)

With immense gratitude, we extend our heartfelt thanks to the entire ABTMM family for curating such a graceful and well-organized Samelan for Yuvati Mandal.
Every detail reflected dedication, vision, and true teamwork, making the experience truly special for all of us.
A special note of respect and thanks to our Respected Rashtriya Adhyaksh, Suman Ji, whose encouraging words and warm presence filled the atmosphere with positivity and inspiration. Each performance and segment was thoughtfully planned and beautifully executed, showcasing creativity, coordination, and heartfelt effort.
We return with not only wonderful memories but also new learnings, motivation, and a stronger sense of togetherness.

Hisar team yuvti vibhag, Haryana

अखिल भारतीय संगम विराट युवती सम्मेलन मे ख़ाने पीने से लेकर आवास तक की व्यवस्था बहुत ज़ोरदार थी।
RJ कार्तिक सर की कहानियाँ प्रेरणादायक थी। उनसे हमें बहुत कुछ सीखने और समझने का नज़रिया मिला है।
ABTMM की समर्पित युवतियों ने हर युवती के चेहरे पर मुस्कान सजा दी।ABTMM की पूरी टीम का बहुत बहुत आभार।

रतलाम महिला मंडल (युवती विभाग)

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संगम विराट युवती सम्मेलन का आयोजन किया गया जो की बहुत ही अनुशासन के साथ चला जिसमें बहुत कुछ सीखने को मिला देशभर से विभिन्न क्षेत्रों से आई बहनों से मिलने का अवसर मिला इस सम्मेलन का को सफल बनाने में जिनकी मेहनत रही वह मेहनत रंग लाई । सभी का बहुत बहुत धन्यवाद मेने यह सम्मेलन पहली बार अटेंड किया अब मेरा मन यही कर रहा है कि अब में सभी आयामों में भाग लेती रहू

संतोष जैन,
सुनाम पंजाब महिला मंडल

It was not just an event, but a beautiful experience.
The sammelan brought so much joy and positivity.
I will cherish these moments for a long time.
Heartfelt thanks to everyone involved
Kolkata Tollygunge yuvti mandal.

abtmm को दिल से आभार जो हमे ऐसा अवसर दिया कि हम अपना व्यक्तित्व विकास कर सके साथ ही संगम में अध्यात्म की डुबकी लगा सके ।

गुवाहाटी युवती मंडल

संगम विराट सम्मेलन के शानदार और सफल आयोजन के लिए आयोजकों को कोटि-कोटि धन्यवाद। समाज की इस एकता और उमंग को देखकर मन अत्यंत प्रसन्न है। बेहतरीन व्यवस्था और स्नेहपूर्ण स्वागत के लिए हम आपके आभारी हैं।
आयोजन से जुड़ी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई!

सेमड़ युवती महिला मंडल ।

"विराट युवती सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री एवं उनकी पूरी टीम को हार्दिक धन्यवाद एवं अभिनंदन। प्रेरणादायी कार्यक्रम का उत्कृष्ट आयोजन कर आपने सभी युवती को नई दिशा, उत्साह और संस्कारों से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया है। आपके मार्गदर्शन, परिश्रम और समर्पण से यह कार्यक्रम अत्यंत प्रभावशाली एवं यादगार बना। हम सभी आपके उज्ज्वल प्रयासों के लिए कृतज्ञ हैं और भविष्य में भी ऐसे ही प्रेरणादायक आयोजनों की अपेक्षा करते हैं।"

तेरापन्थ महिला मंडल नोखा (युवती विभाग)

The programme which directly connects to hearts which requires no words to explain its elegance .. only emotions which went in a flow in all sessions ... super se upar.. Aabhar Aabhar Aabhar!!!

Regards
Santacruz Yuvti Mandal

Time Menagement था super,
खाने पीने, एवं आवास व्यवस्था भी थी super Duper। नौ साध्वी प्रमुखा श्री जी की जीवनगाथा की प्रस्तुतियों ने भी कमाल कर दिखाया,ABTMM की 6 कार्यकर्ताओं के श्रम ने सभी युवतियों का मन हरसाया ।
हम सभी युवतियों को बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला, भव्य रैली का अद्भुत परिसर मिला, गुरुदर्शन एवं प्रमुखाश्री जी का आशीर्वर मिला । वडोदरा युवती मंडल ABTMM की पूरी टीम का अंतः करण से धन्यवाद करती है।

तेरापंथ युवती मंडल, वडोदरा।

Heartfelt thanks to everyone who made the Yukti Samelan in Ladnun such a wonderful and memorable experience
The event was beautifully organized, filled with positivity, learning, and togetherness. Truly grateful for the efforts, dedication, and warmth shown by each one involved.
Feeling blessed to be a part of such an inspiring gathering.
Looking forward to many more such meaningful moments together
Thank you once again to all the organizers and participants

"विराट युवती सम्मेलन" अपने नाम के अनुरूप अत्यंत भव्य, प्रेरणादायक और यादगार रहा। ABTMM टीम की उत्कृष्ट योजना, समर्पण और सुव्यवस्थित व्यवस्था हर पहलू में झलकती रही।
चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद उत्तम भोजन व्यवस्था और संपूर्ण प्रबंधन सराहनीय रहा। सभी प्रस्तुतियाँ ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा से परिपूर्ण थीं।
विशेष रूप से RJ कार्तिक का "Family" सत्र अत्यंत प्रभावशाली रहा, जिसने जीवन के मूल्यों को नई दृष्टि दी।
यह सम्मेलन हमें नई सीख और सकारात्मक दिशा देकर गया- ऐसे आयोजनों की निरंतरता बनी रहे, यही कामना।

युवती विभाग-तेरापंथ महिला मंडल, पांडेसरा

विराट युवती सम्मेलन के सफल एवं भव्य आयोजन के लिए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं युवती विभाग को राजनगर तेरापंथ महिला मंडल की ओर से हार्दिक अभिनंदन एवं ढेरों बधाइयाँ।
इस सम्मेलन में उत्कृष्ट व्यवस्था, सुसंगठित वेल मैनेजमेंट, प्यार, स्नेह और आशीर्वाद का जो अद्भुत समन्वय देखने को मिला, वह वास्तव में सराहनीय एवं प्रेरणादायक है। सभी क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों ने सम्मेलन को और भी गरिमामय एवं यादगार बना दिया। आप सभी की लगन, मेहनत और समर्पण ने इस आयोजन को एक नई ऊँचाई प्रदान की है।
विशेष रूप से सुमन आंटी और सभी संयोजिकाओं का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिनके मार्गदर्शन, सहयोग और समर्पण ने इस आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। आपका स्नेह और नेतृत्व हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।
हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आगे भी आप इसी प्रकार समाज को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करते रहें।

राजनगर तेरापंथ महिला मंडल
युवती विभाग राजनगर

Abtmm की पूरी टीम, हम आपके प्रति बहुत-बहुत आभारी हैं। आपने हमें एक बेहतरीन अवसर और अद्भुत मंच प्रदान किया है। आपकी कई दिनों की मेहनत और सूझबूझ इस कार्यक्रम की सफलता के पीछे है, और हम इस पारिवारिक एवं सहयोगात्मक माहौल के लिए आपके बहुत-बहुत आभारी हैं। बहुत कुछ सिखा और आगे भी हम पार्टिसिपेट करेंगे ऐसा मंच जो कॉन्फिडेंस बूस्ट करता है हम युवाओं में।
thank you Suman aunty rachana dii, और पूरी टीम के लिए ॐ अर्हम ।

डोंबिवली महिला मंडल (युवती विभाग)

विराट युवती सम्मेलन प्रेरणा, सशक्तिकरण और उत्कृष्टता का अद्भुत संगम रहा। सुव्यवस्थित व्यवस्था, आत्मीय आतिथ्य और स्नेहपूर्ण वातावरण ने मन को छू लिया।
RJ कार्तिक की ऊर्जावान प्रस्तुति, 9 साध्वी प्रमुखाओं की जीवनगाथा, रात्रिकालीन कार्यक्रम एवं गुरुदेव–प्रमुखाश्री जी के आशीर्वाद ने अनुभव को विशेष बना दिया।
सुमन जी के नेतृत्व में यह मंच युवतियों के आत्मविश्वास और प्रतिभा को निखारने वाला सिद्ध हुआ। यह संगम हमें प्रेरणा, ऊर्जा और मधुर स्मृतियाँ देकर गया—ABTMM टीम को हार्दिक बधाई।

बीदासर युवती मंडल

युवती सम्मेलन बहुत ही सुंदर और यादगार रहा। देशभर से आई बहनों के साथ जुड़कर बहुत आनंद मिला।
ABTMM टीम का दिल से धन्यवाद, आपकी मेहनत और समर्पण काबिले तारीफ है सुमन जी और सभी आयोजकों ने इतना अच्छा माहौल बनाया कि वहाँ से जाने का मन ही नहीं कर रहा था|

भायंदर युवती मंडल की ओर से हार्दिक धन्यवाद।
ओम अर्ह

सादर जय जिनेंद्र abtmm का यह अथक प्रयास हमारे लिए यादगार बन गया । जिसमें हमे कई नई बातें सीखनें को मिली और नई सखियों के संग जुड़ने का मौका मिला ।आपका कार्य सराहनीय है १००० से ऊपर की संख्या में आई हुई बहनों का arrangment करना hats off है ।बहुत बड़ा ओम अर्हम आपकी team के लिए।आगे इससे भी ज्यादा संख्या में युवतियाँ आयेंगी ये तो पक्का है ।

युवती विभाग से आपका बहुत बहुत आभार ।
इचलकरंजी महिला मंडल (युवती विभाग)

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का दिल से आभार व्यक्त करते है जिन्होंने अपने प्रयासों और सहयोग से इस कार्य को सफल बनाया। आपकी व्यवस्था बहुत अच्छी थी ।आप सभी की मेहनत और एकता सच में प्रेरणादायक है।

धन्यवाद
मरौली महिला मंडल

"संगम" विराट युवती सम्मेलन में लाडनूं में गुरुदेव के दर्शन, प्रेरक सत्र, RJ कार्तिक जी का मार्गदर्शन तथा साध्वी प्रमुखा के जीवन पर आधारित प्रस्तुति ने विशेष रूप से प्रभावित किया। सभी एक्ट्स बहुत अच्छे और प्रेरणादायक रहे। भव्य रैली और सुसंगठित व्यवस्था ने पूरे सम्मेलन को अविस्मरणीय बना दिया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के प्रति हृदय से आभार।

उधना महिला मंडल (युवती विभाग)

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना

♦ तत्त्वज्ञान / तेरापंथ प्रचेता परीक्षा परिणाम 2025 ♦

अभातेममं तत्त्वज्ञान, तेरापंथ प्रचेता व तत्वविज्ञ पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यक्ति को सशक्त और अंतर्मुखी बनाने का कार्य कर रही है। ज्ञान से शक्ति का जागरण और आत्मा का उर्ध्वारोहण होता है। तीनों ही पाठ्यक्रम सम्यक्त्व को पुष्ट करने के सशक्त माध्यम हैं।

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमण जी एवं श्रद्धेया साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभाजी के मंगल आशीर्वाद तथा शासनश्री साध्वीश्री जिनप्रभा जी के दिशा-निर्देशन में तत्त्वज्ञान छःवर्षीय, तेरापंथ प्रचेता पंचवर्षीय और तत्वविज्ञ त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम अभातेममं के द्वारा सुचारू रूप से संचालित हो रहा है।

वर्ष 2025 की परीक्षाओं का परिणाम घोषित हो गया है। यह परीक्षा परिणाम अभातेममं की वेबसाइट www.abtmm.org में देखा जा सकता है।

इस वर्ष 108 परीक्षा केंद्रों से कुल 1273 परीक्षार्थियों ने परीक्षा के लिए फॉर्म भरे, जिनमें से 1155 तत्त्वज्ञान के तथा 118 तेरापंथ प्रचेता के थे। कुल 712 परीक्षार्थियों ने परीक्षाओं में भाग लिया। परीक्षा परिणाम 95.6% रहा। 19 चारित्रात्माओं ने अगस्त में व 18 चारित्रात्माओं ने दिसंबर में इन परीक्षाओं में भाग लिया। चारित्र आत्माओं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

वरीयता प्राप्त परीक्षार्थियों एवं प्रचेताओं की सूची यहां प्रेषित की जा रही है -

तत्वज्ञान परीक्षा 2025 - वरीयता सूची

नाम	केंद्र	कुल अंक	वरीयता
तत्वज्ञान I वर्ष			
चंदा मेडतवाल	सूरत	199	प्रथम
कविता पटावरी	बालोतरा	199	प्रथम
मधु जैन	सवाई माधोपुर	199	प्रथम
शिखा आंचलिया	अंतरराष्ट्रीय	199	प्रथम
प्रतिभा इंटोदिया	उदयपुर	198	द्वितीय
भारती छाजेड	नोहर	197	तृतीय
तत्वज्ञान II वर्ष			
हर्षा चोरड़िया	बोरावर	197	प्रथम
चेतना चपलोत	मुंबई कांदिवली	195	द्वितीय
सोनाली श्रॉफ	अंतरराष्ट्रीय	195	द्वितीय
मधु दुगड	सिलचर	192	तृतीय
तत्वज्ञान III वर्ष			
नाम	केंद्र	कुल	अंकवरीयता
सरिता नाहटा	तेजपुर	200	प्रथम
साधना पुगलिया	सैंथिया	198	द्वितीय
मोनिका नौलखा	लूणकरणसर	197	तृतीय
प्रदीप ललवानी	गंगाशहर	197	तृतीय
तत्वज्ञान IV वर्ष			
कानमल दुगड	अंतरराष्ट्रीय	200	प्रथम
संतोष मुथा	बैंगलोर	199	द्वितीय
अनीता गादिया	चिकमगलूर	198	तृतीय
तत्वज्ञान V वर्ष			
निकिता सुराणा	चिकमगलूर	198	प्रथम
अभिलाषा डांगी	विजयनगर बैंगलोर	196	द्वितीय
सुनीता नाहर	सिन्धनूर	196	द्वितीय
अनीता छाजेड	अहमदाबाद	195	तृतीय
तत्वज्ञान VI वर्ष			
हेमश्री भंसाली	राउरकेला	299	प्रथम
रेखा पितलिया	सूरत	298	द्वितीय
मधु बाला बोहरा	चेन्नई	297	तृतीय
अल्का सेठिया	गुरुग्राम	297	तृतीय

तेरापंथ प्रचेता परीक्षा 2025 - वरीयता सूची

नाम	केंद्र	कुल अंक	वरीयता
तेरापंथ प्रचेता I वर्ष			
शांता भूरा	बीकानेर	157	प्रथम
मीना बाबेल	भीलवाड़ा	156	द्वितीय
किरण सुराणा	टॉलीगंज, कोलकाता	155	तृतीय
तेरापंथ प्रचेता II वर्ष			
ललिता कुचेरिया	विशाखापत्तनम	182	प्रथम
मंजुला बैद	बीदासर	169	द्वितीय
अमिता बाबेल	भीलवाड़ा	134	तृतीय
तेरापंथ प्रचेता III वर्ष			
रंजू बैद	हैदराबाद	160	प्रथम
पारस मेहता	भीलवाड़ा	152	द्वितीय
प्रमिला बरडिया	पुणे	146	तृतीय
तेरापंथ प्रचेता IV वर्ष			
प्रियंका दुधेड़िया	दिल्ली पूर्व	133	प्रथम
पवन सेठिया	जालना	130	द्वितीय
इंद्रा जैन	जयपुर शहर	106	तृतीय
तेरापंथ प्रचेता IV वर्ष			
हेमा दुगड	कोलकाता पूर्वांचल	265	प्रथम
बबीता तातेड	कोलकाता पूर्वांचल	170	द्वितीय
सरला संकलेचा	अहमदाबाद	156	तृतीय

तत्वज्ञान परीक्षा 2025 चरित्रात्मा वरीयता सूची

प्रथम वर्ष तत्वज्ञान

नाम	वरीयता
साध्वी अक्षय विभा	प्रथम
साध्वी स्तुति प्रभा	द्वितीय
साध्वी विमल प्रभा	तृतीय

द्वितीय वर्ष तत्वज्ञान

नाम	वरीयता
साध्वी प्रतीक प्रभा	प्रथम
साध्वी स्तुति प्रभा	प्रथम
साध्वी मैत्री यशा	द्वितीय
साध्वी प्रणव यशा	तृतीय

चतुर्थ वर्ष तत्वज्ञा

नाम	वरीयता
साध्वी जगत यशा	प्रथम
समणी सुमन प्रज्ञा	द्वितीय
साध्वी मानस प्रभा	तृतीय

पाँचवाँ वर्ष तत्वज्ञान

नाम	वरीयता
साध्वी मनोग्य प्रभा	प्रथम
साध्वी वर्धमान यशा	द्वितीय
समणी सुमन प्रज्ञा	तृतीय

छठा वर्ष तत्वज्ञान

नाम	वरीयता
साध्वी हेमंत प्रभा	प्रथम
साध्वी प्राची प्रभा (नेकता)	द्वितीय
साध्वी रोशनी प्रभा	तृतीय

तेरापंथ प्रचेता परीक्षा 2025 चरित्रात्मा वरीयता सूची

प्रथम वर्ष तेरापंथ प्रचेता

नाम	वरीयता
साध्वी ओजस्वी प्रभा	प्रथम
साध्वी आर्य प्रभा	द्वितीय

द्वितीय वर्ष तेरापंथ प्रचेता

नाम	वरीयता
साध्वी काम्य प्रभा	प्रथम

तृतीय वर्ष तेरापंथ प्रचेता

नाम	वरीयता
साध्वी पल्लव प्रभा	प्रथम

चतुर्थ वर्ष तेरापंथ प्रचेता

नाम	वरीयता
साध्वी रोहिणी प्रभा	प्रथम

पाँचवाँ वर्ष तेरापंथ प्रचेता

नाम	वरीयता
साध्वी धृति प्रभा	प्रथम
साध्वी कमनीय प्रभा	द्वितीय

तत्वज्ञान प्रचेता चारित्रात्मा 2025

क्रम	नाम
1	साध्वी हेमंत प्रभा
2	साध्वी प्राची प्रभा (नेकता)
3	साध्वी रोशनी प्रभा
4	मुनि आगम कुमार
5	साध्वी श्रुति प्रभा
6	समनी स्वर्ण प्रज्ञा
7	साध्वी मेधावी प्रभा (मानवी)
8	साध्वी जितेंद्र प्रभा
9	साध्वी आदित्य प्रभा

तेरापंथ प्रचेता चारित्रात्मा 2025

क्रम	नाम
1	साध्वी धृति प्रभा
2	साध्वी कमनीय प्रभा

तेरापंथ प्रचेता 2025

क्रम	नाम	परीक्षा केंद्र
1	हेमा दुगड	कोलकाता पूर्वांचल
2	बबीता तातेड	कोलकाता पूर्वांचल
3	सरला संकलेचा	अहमदाबाद
4	मंजुला सांड	कालू

तत्वज्ञान प्रचेता 2025

क्रम	नाम	परीक्षा केंद्र
1	हेमश्री भंसाली	राउरकेला
2	रेखा पितलिया	सूरत
3	मधु बाला बोहरा	चेन्नई
4	अलका सेठिया	गुरुग्राम
5	पद्मा चोपड़ा	बैंगलोर
6	कुसुम सिंघी	दक्षिण कोलकाता
7	सरोज धारीवाल	उत्तर हावड़ा
8	शशि जैन	गुरुग्राम
9	संतोष बैद	नोएडा
10	सविता सकलेचा	बैंगलोर
11	संगीता बोथरा	दक्षिण कोलकाता
12	विजया बोथरा	चेन्नई
13	एम. श्वेता पिपारा	चेन्नई
14	कविता डागा	राउरकेला
15	डॉ. संगीता एम. गटागट	लातूर
16	उषा बरडिया	जयपुर शहर
17	मधु फलोदिया	इंदौर
18	प्रमिला पटावरी	चेन्नई
19	विनोद चोपड़ा	सूरत
20	पुष्पा ए. जैन	नोएडा
21	राजू नाहटा	ठाणे
22	अरविंद मांडोत	विजयनगर बैंगलोर
23	सरोज बाबेल	उधना
24	गरिमा नाहटा	सूरत
25	संगीता फुलफगर	सेलम
26	एच. मुक्ता बोहरा	चेन्नई
27	हंसा चौधरी	सूरत
28	कनक गिड़िया	दक्षिण हावड़ा
29	रंजना भलावत	सूरत
30	शैली जैन	मुंबई कांदिवली
31	कविता चंडालिया	अहमदाबाद
32	सरोज बैद	राजराजेश्वरी नगर
33	मंजू रांका	मुंबई घाटकोपर
34	प्रियंका सिसोदिया	बैंगलोर
35	सरला भूतोड़िया	हैदराबाद
36	रतन आर. सुराणा	सूरत
37	मीना बडाला	मुंबई भायंदर
38	प्रीति पटावरी	दक्षिण कोलकाता
39	प्रेमलता बैद	टॉलीगंज, कोलकाता
40	लक्ष्मी बैद	राजराजेश्वरी नगर
41	सुशीला सी. सिंघवी	मुंबई वाशी
42	विनीता संचेती	उत्तर हावड़ा
43	प्रीति तातेड	नोएडा
44	रत्ना मरोठी	दक्षिण कोलकाता
45	सुमन कोठारी	नाथद्वारा
46	इंद्रा कोठारी	इंदौर
47	मीना कोठारी	कोचीन
48	मुस्कान वेद मेहता	बालोतरा
49	शकुंतला राखेचा	बैंगलोर
50	सुमन कोठारी	विजयनगर (बैंगलोर)
51	रेखा भांगू	झकनाबाद
52	लीला हिरण	मुंबई (घाटकोपर)
53	राजकुमारी मरोठी	नोखा

अभातेममं द्वारा सभी सफल परीक्षार्थियों को हार्दिक बधाई।

आवश्यक दिशा-निर्देश-

1. परीक्षा परिणाम व मार्कशीट अति शीघ्र परीक्षा केंद्रों में भेज रहे हैं। यदि किसी परीक्षार्थी को रिचेकिंग (पुनः जांच) करवानी हो तो 1 मई तक आवेदन कर सकते हैं।15 मई तक रिचेकिंग का रिजल्ट घोषित हो जाएगा। रिचेकिंग शुल्क 250 रु. है। आवेदन के लिए पत्र में अपना नाम, रजिस्ट्रेशन नंबर, रोल नंबर, वर्ष (कक्षा) लिखकर राष्ट्रीय संयोजिका के एड्रेस पर भेज सकते हैं-श्रीमती कुसुम बैंगाणी 233, वीर अपार्टमेंट, सेक्टर-13, रोहिणी,दिल्ली – 110085
2. पुण्य-पाप पुस्तक का तीसरा संस्करण प्रकाशित हो गया है।
   तत्त्वज्ञान तृतीय वर्ष के परीक्षार्थियों का पेपर इस नवीन संस्करण से ही बनेगा, इसलिए अध्ययन नवीन संस्करण से ही करें।
3. गमा का थोकड़ा व नव पदार्थ (पुण्य-पाप) पुस्तक रोहिणी कार्यालय में उचित दर पर उपलब्ध है।
4. तत्त्वज्ञान / तेरापंथ प्रचेता व तत्वविज्ञ के फॉर्म 1 जुलाई से भरे जाएंगे।
5. अगस्त माह में होने वाली तत्त्वज्ञान / तेरापंथ प्रचेता परीक्षाएँ अब आयोजित नहीं होंगी।
6. वर्ष 2026 की सभी परीक्षाएँ इस वर्ष दिसंबर माह में ही आयोजित की जाएँगी। परीक्षा संभावित तिथि: 17 दिसंबर से 23 दिसंबर के मध्य।

हार्दिक आभार: तत्त्वज्ञ श्राविका स्वर्गीय श्रीमती रतनी देवी जी गोठी, श्रीमान सुमति जी - स्वर्गीय श्रीमती सुमन जी गोठी, श्री योगेंद्र जी - श्रीमती नीलम जी गोठी, को मुंबई का तत्त्वज्ञान / तेरापंथ प्रचेता एवं तत्वविज्ञ, इन दोनों प्रकल्प को आर्थिक सौजन्य प्रदान करने हेतु हार्दिक कृतज्ञता।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

सत्र 2025 ते 2027 के प्रथम त्रैमासिक कार्य रिपोर्ट के आधार पर अखिल भारतीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ शाखाए

महानगर	अहमदाबाद, पूर्वी दिल्ली
नगर	पूर्वांचल कोलकाता जयपुर शहर
शहर	सिलीगुड़ी, कांकरोली डोंबिवली

	ग्राम	कस्बा
कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश	मंड्या यशवंतपुर (बेंगलुरु)	रायचूर, कांचीपुरम राजमुंद्री
राजस्थान	बीकानेर, सरदारशहर सुजानगढ़	आसड़ा, संगरिया, छोटी खाटू लावासरदारगढ़,मकराना
गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़	बारडोली, वडोदरा	अंकलेश्वर, बुरहानपुर लिम्बायत, भिलाई
महाराष्ट्र	इचलकरंजी भांडुप, मीरा रोड	कांजुरमार्ग,धुले, महाड, जयसिंहपुर
पश्चिम बंगाल, असम, नेपाल, मेघालय, सिक्किम, नागालैंड	मध्य कोलकाता, नगांव	बेहाला, बिरगंज, टॉलीगंज बोंगाईगांव (दक्षिण), दीफू
हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब	नोएडा	सुनाम, तोशाम, वाराणसी
बिहार, झारखंड, ओडिशा	गुलाबबाग	पटना सिटी, पटना जंक्शन नबरंगपुर

योगक्षेम वर्ष 2026-2027

♦ प्रज्ञा पाथेय-साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यशाला ♦

योगक्षेम वर्ष के अंतर्गत आयोजित साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का क्रम निरंतर जारी है। देशभर की विभिन्न शाखाओं से चयनित बहनों को प्रातः से सायं तक योग, प्रेक्षाध्यान, तत्वज्ञान, आदि का प्रशिक्षण पूज्यप्रवर आचार्य श्री महाश्रमण जी, साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुतविभा जी, मुख्य मुनि प्रवर, साध्वीवर्या जी एवं अन्य प्रबुद्ध चरित्रात्माओं द्वारा प्रदान किया जाएगा।

5 जुलाई से 1 अगस्त तक के चयनित शाखाओं की सूची इस प्रकार है:

5 JULY TO 11 JULY 2026

GOA	GOA	KUSUM JAIN	9422332341
JHARKHAND	CHAS BOKARO	USHA LODHA	8083587010
JHARKHAND	JAMSHEDPUR	NIRMALA LUNIA	7004241070
JHARKHAND	RANCHI	SARITA DASANI	9471531224
TIRPURA	AGARTALLA	RAJU DEVI HIRAWAT	9774535711
UTTAR PRADESH	KANPUR	RAJU SURANA	9336116623
UTTAR PRADESH	NOIDA	PREETI TATER	9871088779
UTTAR PRADESH	VARANASI	KANTA MALU	8601249999

12 JULY TO 18 JULY 2026

GUJARAT	AHMEDABAD	SUSHILA KHATANG	8160687787
GUJARAT	AMRAIWADI	SANJU CHIPPAD	7622048080
GUJARAT	ANKLESHWAR BHARUCH	JATAN NAHATA	8511186758
GUJARAT	DISA	SANGEETA BORDIYA	7990823893
GUJARAT	KHEDA	RINKU BABEL	9979647440
GUJARAT	KIM	MAYURI SHAH	9173666333
GUJARAT	LIMBAYAT	REKHA NOLKHA	8487980004
GUJARAT	PALANPUR	CHANDAN JAIN	8980190590
GUJARAT	PARVAT PATIYA	SUMAN BAID	9016088980

19 JULY TO 25 JULY 2026

GUJARAT	SURAT	PRATIKSHA BOTHARA	8000258000
GUJARAT	BARDOLI	HEMLATA SINGHVI	7984692020
GUJARAT	BHILODA	REKHA BHATEWARA	8200859190
GUJARAT	CHIKHALI	DIMPLE DUNGARWAL	9104142418
GUJARAT	DUNGRI	SUNITA BHATEWRA	8849684468
GUJARAT	GANDHIDHAM	SUMAN LUNIA	8140960436
GUJARAT	KAMREJ	REKHA MANDOT	7016870375
GUJARAT	KHEDBRAHMA	RATAN PITALIYA	6359594613
GUJARAT	MANSA	KIRAN JAIN	9824769839

26 JULY TO 1 AUGUST 2026

GUJARAT	BHUJ KUTCH	JAGRUTI BABRIA	9429754227
GUJARAT	CHALTHAN	LATA DAK	9909220066
GUJARAT	NAVSARI	INDRABEN TEBA	8128154210
GUJARAT	SACHIN	RINKU MUNOT	9265499456
GUJARAT	SILVASSA	ASHA JAIN	8690779305
GUJARAT	UDHNA	MAHIMA CHORARIA	8866903141
GUJARAT	VADODARA	USHA PUGALIA	9375104467
GUJARAT	VALSAD	TINA KOTHARI	8866686717
GUJARAT	VAPI	SAROJ SURANA	9328449871
GUJARAT	VIJAPUR	LATA NANGAVAT	8320561501

आवश्यक निर्देश:

1. चयनित बहनें अपनी टिकटें समय पर बनवाकर संयोजिकाओं को सूचित करें। 2. आवास एवं भोजन की व्यवस्था अ.भा.ते.म.मं. द्वारा रहेगी।
3. सेवा में भाग लेने वाली प्रत्येक बहन के लिए सातों दिन निर्धारित गणवेश पहनना तथा अपना आधार कार्ड एवं एक पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य है।
4. प्रज्ञा पाथेय भावना चौका सेवा हेतु केवल 60 वर्ष तक की स्वस्थ बहनें ही अनुमत हैं।

मुख्य संयोजिका: श्रीमती प्रीति घोषल 88004 46397

संयोजिका:
- श्रीमती माला कातरेला 98417 25560
- श्रीमती सज्जन पारख 92334 23522
- श्रीमती राखी बैद 98242 99955
- श्रीमती चांद छाजेड़ 93275 49313
- श्रीमती साधना सामसुखा 90233 04863

ज्ञान चेतना
प्रश्नोत्तरी
मई 2026
QUIZ-7

महिला मंडल Quiz

सही उत्तर लिखें:

1. सचेल मुनि क्या कहलाते थे?
2. पंचयाम धर्म का प्रवर्तन किसने किया?
3. सम्राट सम्प्रति के गुरु कौन बन गए थे?
4. ज्ञातपुत्र महावीर ने परिग्रह किसे कहा है?
5. ढूंढ़िया सम्प्रदाय का उद्‌भव किसने किया?
6. गोशालक कौन से सम्प्रदाय के आचार्य बने?
7. लोंकागच्छ को दूसरे किस नाम से भी जाना जाता था?
8. वर्तमान मानव सभ्यता का बीज-वपन किस काल में हुआ था?
9. वैदिक साहित्य में कौन से तीर्थंकर घोर आंगिरस के नाम से वर्णित हुए?
10. इंद्रभूति आदि ग्यारह वेदविद् ब्राह्मण किस ब्राहमण के यहां अनुष्ठान में आए थे?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें:

1. भगवान के समय में __ गण थे।
2. वह भी __ के विरूद्ध एक क्रांति का ही परिणाम है।
3. जहाँ विचार होता है, वहाँ __ की संभावना भी रहती है।
4. __ का मुख्य कारण सचेलत्व - अचेलत्व का प्रश्न ही रहा था।
5. विस्मृत धार्मिक तत्वों को पुनः स्मृत करना धर्म का __ कहा जाता है।

जोड़ियाँ मिलाओ:

1. ससुर	: दामाद	::	भगवान महावीर	: ?
2. चचेरे भाई	: आध्यात्मिक गुरु	::	श्री कृष्ण	: ?
3. माता	: पुत्र	::	वामादेवी	: ?
4. भाई	: बहिन	::	चेटक	: ?
5. गुरु	: शिष्य	::	धन्नोजी	: ?

अप्रैल 2026 माह की महिला मंडल क्विज के सही जवाब

सही उत्तर लिखें		रिक्त स्थान की पूर्ति करें	
1. साधना	7. अविनीत व्यक्ति	1. श्रद्धा	7. बुद्धि
2. योग्यता	8. मनुष्य	2. भड़भूजे/कुएं	8. परीक्षा
3. विवेक	9. आचार्य महाप्रज्ञ जी	3. जीवन/मृत्यु	9. गधे
4. अविवेकी	10. भगवान महावीर	4. साधना	10. आज्ञा
5. बाल चिंतन	11. आचार की चौपाई	5. राग	11. कृति
6. मानव स्वभाव	12. सौरे के समान	6. इंद्रियों	12. दाल चावल

सन्दर्भ पुस्तक: तेरापंथ का इतिहास (पेज संख्या...1 से 15)

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

संयोजिका	सह संयोजिका
श्रीमती अर्चना भंडारी	श्रीमती मीना बड़ाला
98100 11500	93209 53145

Google Form Link:
https://forms.gle/dmqxK3sMU1hcjiiZ9

कन्या मंडल Quiz

Crosswords:

संदर्भ: तेरापंथ प्रबोध पर आधारित वर्ग पहेली पद्य संख्या 61-70

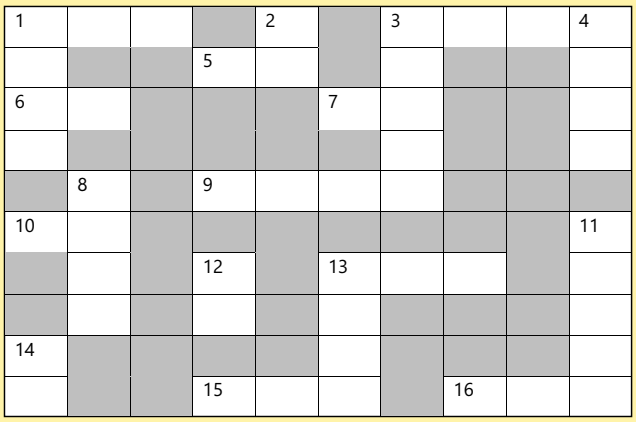

बांए से दांए (Left to Right)

1. किसी प्राणी की हिंसा नहीं करना कौन सा दान है (3)
3. आचार्य भिक्षु को किन सिद्धान्तों के आधार पर धर्म का विलक्षण प्रवक्ता माना जा सकता था (4)
5. स्वामी जी किस वाणी पर पूर्ण समर्पित थे (2)
6. आचार्य भिक्षु ने आध्यात्मिक दान के कितने प्रकार बताये हैं (2)
7. किसके आचरण में कट्टरता नहीं होगी तो उसका पालन भी कैसे होगा (2)
9. आचार्य भिक्षु ने कौन से शास्त्रों के आधार पर चारित्र स्वीकार किया (4)
10. द्वेष और किससे प्रेरित होकर होने वाली प्रवृत्ति लौकिक दया है (2)
13. तेरापंथ धर्मसंघ में किसका नेतृत्व स्वीकृत है (3)
15. जिस दया से अहिंसा की क्षति होती है वह कौन सी दया है (3)
16. श्वेताम्बर आगम आस्था पर क्या निभाने की बात कही गई है (3)

ऊपर से नीचे (Top to Bottom)

1. आचार्य भिक्षु ने अपने जीवन में कितने हजार पद्य परिमाण ग्रंथों की रचना की (4)
2. आचार्य भिक्षु ने किससे धर्म खरीदने की श्रद्धा गलत बताई है (2)
3. आचार्य भिक्षु केवल साधक, धर्मसंघ के संस्थापक, प्रचारक, अनुशासक ही नहीं थे, वे उस युग के उत्कृष्ट क्या थे (5)
4. कौन से भगवान से हमें सापेक्षवाद का सिद्धान्त मिला है (4)
8. किस आगम सूत्र के आधार पर आचार्य भिक्षु ने कहा कि सम्यकदृष्टि हो या मिथ्यादृष्टि उनके आत्मविकास में सहयोगी क्रिया अधर्म कैसे बन सकती है (4)
11. दिगम्बरों के मान्य कौन से ग्रन्थ में मूर्च्छा परिग्रह कहा है (5)
12. आचार्य भिक्षु ने अनुकम्पा शब्द किसके लिए काम में लिया है (2)
13. लौकिक दान व लौकिक दया कौन सा धर्म नहीं है (4)
14. धर्म का आनुषांगिक फल क्या है (2)

अप्रैल 2026 माह की कन्यामंडल वर्ग पहेली के सही जवाब

बाएं से दाएं		ऊपर से नीचे	
1. संविधान	8. संस्कार	1. संघ	7. प्रथम
3. हेमराज जी	11. मर्यादा	2. धारा	9. मिगसर
5. वचन	13. अध्यात्मतंत्र	3. हेमनवरसो	10. भारीमालजी
6. आचार्य	14. अनुशासन	4. जयाचार्य	12. पत्र
7. प्रवेश	15. सातम		

संयोजिका श्रीमती मंजू भूतोड़िया 93121 73434

Google Form Link:
https://forms.gle/geajMXAt5aSq1KfU6

प्रश्नोत्तरी भरकर भेजने की अंतिम तिथि 15 मई 2026 है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्रदत्त अनुदान

समस्त अनुदानदाताओं का हार्दिक आभार

तेरापंथ महिला मंडल, विशाखापट्टनम, ₹31,000/-	तेरापंथ महिला मंडल, काकीनाडा, ₹21,000/-	श्रीमान सोहनराज जी कोठारी की पुण्यस्मृति में, श्रीमती शोभा जी एवं नेहा जी कोठारी, हुबली, ₹21,000/-
गुप्त दान, हुबली, ₹21,000/-	तेरापंथ महिला मंडल, हुबली, ₹11,000/-	गुप्त दान, हुबली, ₹11,000/-
गुप्त दान, सिंधनूर, ₹11,000/-	श्रीमती पुष्पादेवी जी, बंटी जी लुक्कड़, अहमदाबाद, ₹11,000/	श्रीमती ममता जी, जिगना जी नाहटा, मुंबई, ₹11,000/-
श्रीमती मंजूदेवी जी वैदमुथा, हुबली, ₹11,000/-	श्रीमती नरिता जी, कोमल जी, निधि जी गादिया, चिकमंगलुर, ₹11,000/-	श्रीमती मंजू जी, सानिका जी पालगोता, हुबली, ₹11,000/-
श्रीमती समता जी सुशील जी सालेचा, मुंबई, ₹11000/-	तेरापंथ महिला मंडल, सिंधनूर, ₹7,100/-	तेरापंथ महिला मंडल, गदग, ₹5,100/-
श्रीमती कंचन जी, पंकज जी, सपना जी भंसाली, हुबली, ₹5,100/-		श्रीमती रत्नमाला जी मानमल जी नाहर, सिंधनूर, ₹5,100/-

विशेष सूचना:

ये अनुदान हमें अभातेममं की कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती संतोष वेदमूथा, हुबली के विशेष सहयोग से प्राप्त हुए हैं।

भावना सेवा

तेरापंथ महिला मंडल, गुरुग्राम, ₹41,000/-	तेरापंथ महिला मंडल, मध्य दिल्ली, ₹31,000/-	तेरापंथ महिला मंडल, अररिया कोर्ट, ₹21,100/-
तेरापंथ महिला मंडल, उत्तर दिल्ली, ₹21,000/-	तेरापंथ महिला मंडल, काकीनाडा, ₹21,000/-	श्रीमती कमलादेवी जी रामलाल जी बैद, सूरत, ₹21,000/-
श्रीमती विजयश्री जी जैन, सिंधनूर, ₹11,000/-	श्रीमती सुप्रिया ललित जी राखेचा, गंगाशहर, ₹11,000/-	श्रीमती इंद्रदेवी जी पटवा की पुण्य स्मृति में श्रीमान विमल जी, मनदिप जी पटवा, गंगाशहर, ₹5,100/-
श्रीमती अर्चना जी भंडारी, नोएडा, ₹5,200/-	श्रीमती सरोजदेवी जी, श्रीमान श्रीपत जी, शेखर जी बैद, चूरू-कोलकाता, ₹5100/-	तेरापंथ महिला मंडल, खुश्की बाग-बिहार, ₹5100/-
गुप्त दान, ₹3,100/-	तेरापंथ महिला मंडल, निर्मली-बिहार, ₹2100/-	

पंजीकृत कार्यालय: रोहिणी, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

महामंत्री कार्यालय
Rachna Hiran
604,Thakur Jewel,
Near HDFC Bank,Thakur Village,
Kandivali East, Mumbai 400101
Mob.: 98213 85587
Email: rachnapritam@yahoo.co.in

नारीलोक

नारीलोक प्राप्ति हेतु संपर्क सूत्र
Nutan Lodha
Mob.: 98693 71153

www.abtmm.org

कोषाध्यक्ष
Mamta Ranka
Indira Chowk New Line,
Gangashahar, Bikaner - 334401
Mob.: 94141 42924
Email: mantaranka002@gmail.com

www.facebook.com/abtmmjain/

www.youtube.com/channel/UCMnsuMEyhhQWvDbnrfwpdEQ